राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 12 मई 2025 वर्ष-8,अंक-82 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वहां से गोली चलेगी तो यहां से गोला चलेगा

पाकिस्तान की कायराना हरकत के बाद भारत का पाकिस्तान को कड़ा संदेश-ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री मोदी ने तीनों सेनाओं और सुरक्षा बलों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वहां से गोली चलेगी, यहां से गोला चलेगा। यानी अब भारत रक्षात्मक नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक नीति अपनाएगा। सूत्रों ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को यह समझना होगा कि अब पुराने तरीके से काम नहीं चलेगा। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से साफ कहा था कि अगर पाकिस्तान कुछ करता है तो जवाब और भी विनाशकारी और कड़ा होगा। उसी रात पाकिस्तान ने 26 ठिकानों पर हमला किया और भारत ने इस पर जोरदार जवाबी कार्रवाई की। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच सरकारी सूत्रों ने साफ कर दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है। यह कोई एक दिन की कार्रवाई नहीं थी, बल्कि अब इसे भारत-पाक रिश्तों का नया दौर कहा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह स्थिति अब स्थायी रूप से बनी रहेगी और दुनिया को इसे न्यू नॉर्मल की तरह स्वीकार करना होगा।

सूत्रों का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई राजनयिक वार्ता फिलहाल नहीं हो रही है। सिर्फ दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों डायरेक्टर जनरल्स ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स (डीजीएमओ) के बीच संपर्क हुआ है ताकि सीमा पर स्थिति को संभाला जा सके। इसके साथ ही भारत का संदेश बिल्कुल साफ है- अब अगर पाकिस्तान गोली चलाएगा, तो भारत दोगुनी ताकत से जवाब देगा। और जब तक पीओके का मुद्दा हल नहीं होता, तब तक कोई भी बातचीत, मेल-मिलाप या समझौता संभव नहीं है।

हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं

भारत ने साफ किया आतंकियों को सौंपने के अलावा हम किसी अन्य मुद्दे पर बात नहीं करेंगे।

कश्मीर पर हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है, अब केवल एक ही मुद्दा बचा है- पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस करना। इसके अलावा और कोई बात नहीं है। अगर वे

आतंकवादियों को सौंपने की बात करते हैं, तो हम बात कर सकते हैं।

मेरा किसी और विषय पर कोई इरादा नहीं है। हम नहीं चाहते कि कोई मध्यस्थता करे। हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है।

पहला कॉलम

जेडी वेंस से बोले पीएम मोदी- घुसकर मारेंगे पाकिस्तान को और किसी की मध्यस्थता नहीं चाहिए

नई दिल्ली।

भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष के बाद भले ही सीजफायर की घोषणा हो गई हो, लेकिन भारत ने इस बार कड़ा रुख अपनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ बातचीत में स्पष्ट कर दिया कि भारत अब किसी मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करेगा और जरूरत पड़ी तो पाकिस्तान के खिलाफ निर्णायक कदम उठाएगा। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने अमेरिकी पक्ष को स्पष्ट शब्दों में बताया कि अगर पाकिस्तान कुछ करता है, तो जवाब और भी कठोर और विनाशकारी होगा। उन्होंने कहा कि भारत अपनी मर्जी से कार्रवाई करता है और अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर में उनकी मध्यस्थता की भूमिका रही है। हालांकि, भारत ने इस दावे को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि सीजफायर की अपील पाकिस्तान ने खुद की थी, और भारत ने इसे रणनीतिक तौर पर स्वीकार किया। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि कश्मीर पर हमारी स्थिति स्पष्ट है - अब केवल एक ही मुद्दा है, और वह है पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेना। उन्होंने यह भी दोहराया कि भारत को किसी मध्यस्थ की जरूरत नहीं है और सुरक्षा नीति अब स्पष्ट और आक्रामक रूप ले चुकी है। उन्होंने किहा कि वहां से अगर गोली चलेगी, तो यहां से गोला चलेगा, यह कथन अब भारत की नई नीति का हिस्सा बन गया है। सूत्रों का कहना है कि भारत के हवाई हमलों के बाद पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश मिल गया है कि वह इस सैन्य क्षमता वाली लीग में शामिल नहीं है।

सेना की जानकारी पाकिस्तान भेज रहे दो जासूस दबोचे गए, पंजाब पुलिस ने दिल्ली से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली।

पंजाब पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भारत की सेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान को भेजने के आरोप में दो जासूसों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। यह दोनों नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान हाई कमीशन में तैनात एक अधिकारी के संपर्क में थे और कथित रूप से पैसों के बदले पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों को जानकारी भेज रहे थे। पंजाब पुलिस के मलेरकोटला थाने ने पहले एक आरोपी को दबोचा था, जिसकी पूछताछ के बाद दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी हुई। दोनों आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं और उनके खिलाफ आधिकारिक एफआईआर दर्ज की गई है। पंजाब पुलिस के डीजीपी ने बताया कि यह गिरोह सेना की गतिविधियों, विशेषकर मूवमेंट से जुड़ी सूचनाएं पाकिस्तान को पहुंचा रहा था। पुलिस ने इसे जासूसी नेटवर्क को ध्वस्त करने की अहम सफलता बताया है। उन्होंने कहा कि अब इस नेटवर्क के वित्तीय लेन-देन, अन्य सहयोगियों और विदेशी संपर्कों की पहचान पर फोकस किया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि पंजाब पुलिस देश की संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा के लिए पूरी तरह सजग और प्रतिबद्ध है, और ऐसे किसी भी नेटवर्क को पनपने नहीं देगी।

रावलपिंडी तक भारतीय सेना की धमक पाकिस्तान में घुसकर मारा ऑपरेशन सिंदूर पर बोले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने (6-7 मई) की रात ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, जिसके तहत पाकिस्तान में घुसकर नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर दिया गया। इस हमले में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। ऑपरेशन सिंदूर पर अब रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ा बयान दिया है। लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन और टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारतीय सेना ने आतंकियों को जवाब दिया। इस ऑपरेशन को अंजाम देकर हमने दिखाया कि भारत आतंक के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। रक्षामंत्री ने आगे कहा, ऑपरेशन सिंदूर को पाकिस्तान में आतंक को खत्म करने के लिए लॉन्च किया गया था। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में सिर्फ आतंकियों को निशाना बनाया, लेकिन पाकिस्तानी सेना ने आम नागरिकों को निशाना बनाया। इसके अलावा पाक सेना ने मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और गिरजाघर को निशाना बनाया। राजनाथ सिंह ने आगे कहा भारतीय सेना ने शौर्य और पराक्रम के साथ-साथ संयम का भी परिचय देते हुए पाकिस्तान के अनेक सैन्य ठिकानों पर प्रहार करके करारा जवाब दिया है। हमने केवल सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर ही नहीं कार्रवाई की बल्कि भारत की सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई जहां पाकिस्तानी फौज का हेडक्वार्टर मौजूद है। रक्षामंत्री ने कहा, भारत में आतंकवादी घटनाएं करने और कराने का क्या अंजाम होता है, यह पूरे विश्व ने उरी की घटना के बाद देखा जब हमारी सेना ने पाकिस्तान में घुस कर सर्जिकल स्ट्राइक की, पुलवामा के बाद देखा जब बालाकोट पर एयर स्ट्राइक की गई और अब

पहलगाम की घटना के बाद दुनिया देख रही है जब भारत ने पाकिस्तान के भीतर घुस कर मल्टीपल स्ट्राइक्स की हैं। उन्होंने आगे कहा आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि यह नया भारत है जो आतंकवाद के खिलाफ सरहद के इस पार और उस पार दोनों तरफ़ प्रभावी कार्रवाई करेगा।

ऑपरेशन अभी भी जारी है

भारत-पाक सीजफायर के बीच वायुसेना का बड़ा बयान

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष और अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भारतीय वायु सेना का आधिकारिक बयान सामने आया है। वायु सेना ने स्पष्ट किया है कि यह ऑपरेशन अभी जारी है और इसे पूरी सटीकता, गोपनीयता और राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर अंजाम दिया जा रहा है। रविवार को भारतीय वायु सेना ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर पोस्ट करते हुए कहा, भारतीय वायु सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में अपने कार्यों को सटीक और पेशेवर ढंग से सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। ऑपरेशन को राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुसार सोच-समझकर और गोपनीय तरीके से संचालित किया गया है। चूंकि ऑपरेशन अभी जारी है, इसलिए विस्तृत जानकारी उपयुक्त समय पर साझा की जाएगी।

अफवाहों, अटकलों और असत्यापित सूचनाओं से बचें

वायुसेना ने जनता से अपील की कि अफवाहों, अटकलों और असत्यापित सूचनाओं से बचें। बयान में कहा गया, भारतीय वायु सेना सभी से अनुरोध करती है कि वे अटकलों और असत्यापित जानकारी के प्रसार से बचें।

ट्रंप की मध्यस्थता से युद्धविराम, लेकिन विश्वास की कमी

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की थी कि भारत और पाकिस्तान तीन दिनों से जारी संघर्ष पर पूर्ण युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं। यह सहमति अमेरिका की मध्यस्थता से बनी है। हालांकि, यह युद्धविराम ज्यादा देर टिक नहीं पाया।

पाकिस्तान ने देर रात किया सीजफायर का उल्लंघन

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शनिवार देर रात जानकारी दी कि पाकिस्तान ने इस युद्धविराम का गंभीर उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान की ओर से यह कार्रवाई अत्यंत निंदनीय है और इसकी पूरी जिम्मेदारी पाकिस्तान पर है। मिस्री ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय सेना को सख्त जवाबी कार्रवाई के आदेश दे दिए गए हैं और वह सीमा पर हो रहे अतिक्रमण को रोकने में जुटी है।

आतंक के खिलाफ सख्त नीति

भारत सरकार ने भी संकेत दिए हैं कि वह अब आतंकवाद को लेकर किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगी। शीर्ष सरकारी सूत्रों के मुताबिक, भविष्य में भारत के खिलाफ होने वाली किसी भी आतंकी घटना को 'युद्ध की कार्रवाई' माना जाएगा और उसका जवाब भी उसी स्तर पर दिया जाएगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' भले ही युद्धविराम की घोषणा के बीच जारी हो, लेकिन वायुसेना का बयान यह साफ करता है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। ऐसे समय में जब सीमा पर हालात तनावपूर्ण हैं, भारतीय वायु सेना की यह अपील बेहद अहम है कि लोग सोशल मीडिया पर अटकलें लगाने से बचें और सिर्फ आधिकारिक सूत्रों से ही जानकारी लें।

पाक के एयर वाइस मार्शल ने कबूला जुर्म; आतंकी अटैक पर खुद खोली पोल

पुलवामा हमले में पाकिस्तान का ही था हाथ

नई दिल्ली।

पाकिस्तान और भारत के बीच सीजफायर को लेकर सहमति तो बन गई, लेकिन पाकिस्तान अपनी हार मानने को तैयार नहीं है। इस बीच पाकिस्तान के एयर वाइस मार्शल औरंगजेब अहमद ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलवामा हमले पर बात की।

एयर चीफ ने बातों ही बातों में पुलवामा हमले को लेकर पाकिस्तान की पोल खोल दी। पाकिस्तान के एयर वाइस मार्शल औरंगजेब अहमद ने पुलवामा हमले को रणनीतिक चतुराई बताया है। उनकी इस बयान का फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पाकिस्तानी वायु सेना के शीर्ष अधिकारी ने सीजफायर के बाद पाक में चल रही प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ये बयान दिया

है।

अगर पाकिस्तान की जमीन को खतरा है तो...

पाकिस्तान वायु सेना के जनसंपर्क महानिदेशक अहमद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आगे कहा, अगर पाकिस्तान की जमीन, आसमान या पानी को खतरा है, तो कोई समझौता नहीं होगा... हमने पुलवामा में अपनी प्रतिभा से यह संदेश देने की कोशिश की और अब हमने अपनी रणनीतिक कुशलता भी दिखा दी है। बता दें कि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेशी पत्रकार भी शामिल थे। बता दें 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में 40 भारतीय अर्धसैनिक बल के जवान मारे गए थे, जब पाकिस्तान समर्थित जैश-ए-मोहम्मद के आत्मघाती हमलावर ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के काफिले को निशाना बनाया था। भारत ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाकर बालाकोट हवाई हमले से जवाब दिया था।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिख की मांग

संसद का विशेष सत्र बुलाए सरकार

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव को खत्म करने के लिए 10 मई की शाम सीजफायर की घोषणा की गई। इसके बाद भी बॉर्डर से सटे कई इलाकों में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन हमला किया जा रहा है। इसी बीच विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। विपक्ष की ओर से संसद का विशेष सत्र बुलाने को लेकर राहुल गांधी ने पीएम मोदी को एक चिट्ठी लिखी है। उन्होंने लिखा है कि भारत के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी, मैं विपक्ष के सर्वसम्मति से किए गए अनुरोध को दोहराता हूं कि संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए।

पिछले सारे घटनाक्रम पर सामूहिक चर्चा जरूरी

चिट्ठी में राहुल ने आगे लिखा है कि लोगों और उनके प्रतिनिधियों के लिए पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और आज के युद्ध विराम पर चर्चा करना बहुत जरूरी है, जिसकी घोषणा सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने की थी। यह आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का भी एक अवसर होगा।

अमरनाथ यात्रा 2025 के लिए यात्रियों का उत्साह और आत्मविश्वास

यमुनानगर।

हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले और फिर पाकिस्तान व भारत के बीच बढ़े तनाव व हमलों के बावजूद अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह और विश्वास बरकरार है। यात्रा पर जाने के इच्छुक यात्री आतंकवादियों की किसी भी हरकत से डरने के बजाय पूरे जोश और आत्मविश्वास के साथ यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। उनका मानना है कि भारतीय सेना आतंकवादियों का खात्मा करेगी और अमरनाथ यात्रा में कोई विघ्न नहीं आएगा। यात्रियों का कहना है कि आतंकियों की करतूतों का भारतीय सेना करारा जवाब देगी। यमुनानगर से लगभग 400 श्रद्धालुओं ने अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण कराया है, और अधिकांश ने पहलगाम मार्ग से यात्रा के लिए पंजीकरण किया है। यात्री उम्मीद करते हैं कि यात्रा के दौरान पूरी सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी और कोई भी आतंकवादी हरकत उनकी यात्रा में विघ्न नहीं डालेगी।

यात्रा की तारीख

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगी और कुल 37 दिन चलेगी। यह यात्रा भारतीय हिंदू धर्म के लिए बेहद महत्व रखती है, खासकर उस दिन (श्रावण पूर्णिमा) जब भगवान शिव ने इस गुफा में प्रवेश किया था। इस दिन को लेकर

विशेष पूजा और छड़ी मुबारक की परंपरा है।

अयोध्या से लेकर बाबा बर्फानी तक

यात्रियों के विश्वास और जोश से यह स्पष्ट है कि अमरनाथ यात्रा 2025 की तैयारियों में किसी भी तरह की कोई कमी नहीं आएगी। शांति और सुरक्षा का हर स्तर सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि इस श्रद्धालु यात्रा को सफलतापूर्वक और बिना किसी विघ्न के पूरा किया जा सके।

ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी पाकिस्तान से सीजफायर के बीच भारतीय वायुसेना का बड़ा बयान

नई दिल्ली।

पाकिस्तान से सीजफायर के बाद भारतीय वायु सेना ने बड़ी जानकारी दी है। सेना ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। भारतीय वायु सेना ने कहा कि हमने इस ऑपरेशन के लक्ष्य को पूरा किया है और इसके बारे में डिटेल में जानकारी दी जाएगी। बयान में कहा गया है भारतीय वायुसेना भारतीय वायु सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सौंपे गए सभी काम सटीकता और जिम्मेदारी के साथ सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। यह अभियान सोच-समझकर और सावधानी से चलाया गया, जो देश के हितों के अनुसार था। चूंकि यह अभियान अभी जारी है, इसलिए इसकी पूरी जानकारी जल्द ही दी जाएगी। वायुसेना ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों से बचें और बिना पुष्टि की जानकारी न फैलाएं। शनिवार (10 मई, 2025) की शाम को विदेश मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान की अपील पर दोनों देशों के बीच सीजफायर लागू कर दिया गया है। हालांकि, इसके बावजूद पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया और जम्मू कश्मीर समेत कई जगहों पर ड्रोन और मिसाइलें दागीं। पाकिस्तान की तरफ से इस करतूत का भारत ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया और सारी मिसाइलों और ड्रोन को मार गिराया। रात करीब 10 बजे के बाद पाकिस्तान की तरफ से कोई मूवमेंट नहीं दिखी। दोनों देशों में सीजफायर की जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट के जरिए दी। उन्होंने लिखा कि दोनों देशों ने आपसी सहमति से ये समझौता किया है और मुझे खुशी है कि अमेरिका ने दोनों देशों के बीच तनाव कम करने का काम किया है। इसके बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की जानकारी दी। वहीं, भारत के विदेश मंत्री एस। जयशंकर ने अपने एक ट्वीट में

कहा कि भारत और पाकिस्तान ने आज गोलाबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनाई है। भारत ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लगातार दृढ़ और अडिग रुख अपनाया है। वह ऐसा करना जारी रखेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नास्तिकता का प्रतीक है आतंकवाद

विश्व में स्थायी भविष्य की शान्ति के लिए पाकिस्तान को नेस्तानाबूत ही करना पड़ेगा। ऑपरेशन सिन्दूर कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल 2025 को मारे गए 26 भारतीयों का बदला है । हिन्दुस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर से विश्व को आतंक के खिलाफ चेतावनी दे दी है। ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा पाकिस्तान की लगभग सभी एयरबेस ध्वस्त हो चुकी हैं। हिन्दुस्तान आतंक की कमर तोड़ रहा है न की नागरिकों की । भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिन्दूर ने पाकिस्तान के होश उड़ा दिए हैं।

(लेखक-डॉ. शंकर सुवन सिंह)

भारत ने ऑपरेशन सिन्दूर के तहत आतंक के गढ़ में आतंक को मार गिराया है। ऑपरेशन सिंदूर से कई आतकवादियों का सफाया हुआ है। पाक ने हिन्दुस्तानियों का सुहाग बिगाड़ा तो भारत ने आतंक का संसार ही उखाड़ दिया है। पाकिस्तान, हिन्दुस्तानियों से भविष्य में भय खाएगा और कोई भी घटना को अंजाम देने से पहले अपनी मौत को दावत देगा। पकिस्तान आतंकिस्तान है। पकिस्तान की सेना और आतंकवादी दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। ये दोनों इस युद्ध में बराबर की सहभागिता निभा रहे हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी वहां की सेना का ही एक हिस्सा है जिसे आई एस आई आदि संगठन के नाम से जाना जाता है। पाकिस्तान का नाम आतंकिस्तान होना चाहिए। अब समय आ गया है की पूरे पकिस्तान को ध्वस्त कर विश्व में अमन और चैन स्थापित किया जाए। ऑपरेशन सिंदूर में कई आतंकवादी संगठन जैसे जैश, लश्कर, के आतंकवादियों को मार गिराया गया है। इन सभी मारे गए आतंकवादियों को पकिस्तान की सेना ने गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया। इससे विश्व में सन्देश जाता है कि पाकिस्तान की पूरी सेना ही आतंकवादी की भूमिका में है। विश्व में स्थायी भविष्य की शान्ति के लिए पाकिस्तान को नेस्तानाबूत ही करना पड़ेगा। ऑपरेशन सिन्दूर कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल 2025 को मारे गए 26 भारतीयों का बदला है । हिन्दुस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर से विश्व को आतंक के खिलाफ चेतावनी दे दी है। ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा पाकिस्तान की लगभग सभी एयरबेस ध्वस्त हो चुकी हैं। हिन्दुस्तान आतंक की कमर तोड़ रहा है न की नागरिकों की । भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिन्दूर ने पाकिस्तान के होश उड़ा दिए हैं। अब कंगाली की दहलीज पर पंहुच चुके पाकिस्तान को अपने रक्षा बजट को 18 फीसदी तक बढ़ाना पड़ा है। पहले से महंगाई की मार झेल रहे पाकिस्तान को भविष्य में बर्बादी का मंजर देखना पड़ेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक कोई बड़ी बात नहीं कि हम जल्द ही पाकिस्तान को टूटते हुए भी देखें। आतंक के आकाओं को समझ लेना चाहिए की अब उनका स्थान पृथ्वी पर न होकर जह्नुम है जहां उनको उनके अनुसार हूर की परियां मिलेंगी। हिन्दुस्तान की सशक्त महिलाएं विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाकर नारीशक्ति की मिसाल को कायम किया है। इनके जज्बे को मेरा सलाम है। आज कुंठित देश आतंकवाद का सहारा लेता है या गलत नीतियों और सिद्धातों का सहारा लेता है। इसलिए जो देश कभी एक हुआ करते थे वो आज एक दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं। आतंकवाद एक विशेष धर्म में ही क्यों पनपा? ये बड़ा प्रश्न है। लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, पर मेरा मानना है की आतंकवाद है और आतंक के आकाओं का धर्म मुस्लिम है। इन्हे मुस्लिम आतंकी कहने में कोई हर्ज़ नहीं है। ये सारेआतंकी पाकिस्तान जैसे मुस्लिम देश में ही क्यों पल रहे हैं? ये आतंकी नमाज भी पढ़ते हैं, मस्जिद भी जाते हैं और मुस्लिम देश में शरण भी लेते हैं तो ये मुस्लिम ही तो हुए। इन आतंक के आकाओं की कमर तोड़ दी जाएगी और भविष्य में ये अपनी जड़ को कमजोर होते देखेंगे। विश्व के सभी मुस्लिम समुदाय के लोगों को आतंकियों को सबक सिखाना पड़ेगा वरना ये आतंकी मुस्लिम, पूरे मुस्लिम समुदाय को बर्बाद कर देंगे। ये आतंकी, मुस्लिम समुदाय के लिए दीमक का काम कर रहे हैं। यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला मुस्लिम देश पाकिस्तान खुद एक दिन अपनी बर्बादी की कहानी लिखेगा।

वहीँ दूसरी तरफ देखा जाए तो एक अपना हिन्दुस्तान का मुसलमान है जो राष्ट्र प्रथम और राष्ट्र सर्वोपरि की अभिधारणा पर चलता है। ये भारत के मुस्लिम क्या मुस्लिम नहीं हैं जिनमे प्रेम और सद्भाव कूट कूट के भरा है। कहने का तात्पर्य यह है की कोई देश चाहे तो वो अपने नागरिको को आतंकवादी बना दे या अपने नागरिकों को देवतुल्य बना दे। सारा खेल नागरिकता और वहां की संस्कृति का है। जिस देश की संस्कृति और सभ्यता जैसी होती है वैसे ही वहां का नागरिक भी बन जाता है। कहने का तात्पर्य धर्म से बढ़कर पहले राष्ट्र है। स्वतः के साथ प्रतिस्पर्धा स्व को निर्मित करती है, साथ ही साथ समाज और राष्ट्र को मजबूत

करती है। व्यक्ति,समाज और राष्ट्र सभी की प्रतिस्पर्धा स्वयं से होनी चाहिए। प्रकृति, दूसरों से प्रतिस्पर्धा की अनुमति नहीं देती है। प्रकृति हमेशा स्व से जुड़ने की ओर प्रेरित करती है। स्व से जुड़ना ही असली प्रतिस्पर्धा है। एक सफल राष्ट्र की प्रतिस्पर्धा स्वतः से होती है। जैसे बेरोजगारी, महंगाई, खाद्यान, मेडिकल, शिक्षा आदि को लेकर प्रतिस्पर्धा। कहने का तात्पर्य एक सफल राष्ट्र की प्रतिस्पर्धा स्वयं के दृष्टिकोण से होती है जो भारत में है। युद्ध आतंक के सफाए के लिए जरुरी है। आतंक का सफाया विश्व में शांति ले कर आएगा। शांति, विकास का कारण बनती है। आतंक के खिलाफ युद्ध वैश्विक शांति का कारक है।

कहने का तात्पर्य यह है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान से जब आतंक का सफया होगा तभी शांति कायम होगी। और वही शांति पड़ोसी मुल्क से मित्रता का कारण बनेगी। आतंक के खिलाफ युद्ध आस्तिकता को प्रकट करती है। आतंकवाद नास्तिकता को प्रकट करती है। आस्तिकता स्वर्ग को प्रकट करती है। नास्तिकता नरक को प्रकट करती है। आस्तिकता स्वर्ग के द्वार को खोलती है। नास्तिकता नरक के द्वार को खोलता है। अतएव आतंकवाद किसी नरक से कम नहीं है। अतएव हम कह सकते हैं कि आतंकवाद, नास्तिकता का प्रतीक है। पाकिस्तान आतंकवाद की आड़ में अपनी विजय पताका लहराना चाहता है। जिस किसी देश ने आतंकवाद को अपने देश में दखलंदाजी करने की सह दी वह देश बर्बाद हो गया। भारत जैसा देश जो आतंकवाद के खिलाफ है वो महान है।

आतंकवाद विश्व के भविष्य के लिए चेतावनी है। विश्व के सभी देशों को आतंकवाद के खिलाफ एक होकर लड़ने की जरुरत है। सभी देशों को मिलकर विश्व के स्थाई भविष्य के लिए काम करना चाहिए। भारत पाकिस्तान का यह युद्ध आतंकवाद पर कड़ा प्रहार साबित होगा। अतएव हम कह सकते हैं कि ऑपरेशन सिन्दूर से आतंकवाद की कमर टूटी है और आतंकियों का सफाया हुआ है।

संपादकीय

पटाखों के खिलाफ मुस्तैदी

अदालत ने उप्र, राजस्थान और हरियाणा सरकार से पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत निर्देश जारी करने को कहा है, जिसमें पटाखों का निर्माण, बिक्री, भंडारण और ऑनलाइन उपलब्धता पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। कोर्ट ने ईपीए की धारा 5 के तहत जारी निर्देशों को राज्यों के सभी कानून प्रवर्तन तंत्रों के माध्यम से सख्ती से लागू करने की बात की। पटाखों को पूर्णतया प्रतिबंधित करने के बावजूद विभिन्न त्योहारों और हर्षोल्लास वाले मौकों पर आतिशबाजी रोकने में सरकार बुरी तरह असफल नजर आ रही है। वायु, जल, कचरा, उद्योग से पहले ही प्रदूषण बहुत है, जिसमें मिल कर पटाखा प्रदूषण मानव जीवन के लिए खतरा बढ़ाने वाला साबित होता है। पटाखा उत्पादन में भारत चीन के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर है, जिसमें सबसे ज्यादा पटाखे (तकरीबन 85त्न) तमिलनाडु के शिवकाशी में बनते हैं। वहां पांच सौ से अधिक इकाइयों में छोटे-बड़े पटाखों का निर्माण होता है। शीर्ष अदालत पहले भी दिल्ली एनसीआर ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पटाखों पर रोक लगाने की बात कह चुकी है। बावजूद पटाखों की बिक्री साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। अंदाजे के अनुसार, गये साल पटाखों की खुदरा बिक्री छह हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी। उप्र, बिहार और गुजरात में इनकी जबरदस्त मांग है। पटाखे जलाने और इनसे पर्यावरण को नुकसान को लेकर जनजागरूकता जरूरी है। हालांकि इसमें प्रसिद्ध शख्सियतों समेत राजनीतिक हस्तियों और बड़े दलों को आगे आना होगा और उनके यहां होने वाले उत्सवों/हर्षोन्माद के दौरान पटाखों को सख्ती से प्रतिबंधित करना होगा। पटाखा उद्योग ने बेशक, लाखों लोगों को रोजगार दिया है, मगर उसे सीमित किए बगैर आतिशबाजी की बिक्री थामना दुष्कर होगा। प्रदूषण के चलते होने वाले घातक रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक है कि कुछ कड़े कदम फौरन उठाए जाएं। अदालत की बार-बार घुड़की के बावजूद सरकारों और प्रशासन के कानों में जूं रेंगती नहीं नजर आ रही, बल्कि जब भी पटाखों के खिलाफ अभियान चलाया जाता है, या कोई शख्सियत आवाज उठाती है, तो जनता उल्टा उस पर कटाक्ष करने और ट्रोलिंग करने पर उतारू हो जाती है। युवाओं और किशोरों के बीच पटाखों के दुष्परिणामों पर खुल कर चर्चा हो और राज्य सरकारों पर पटाखों के पूर्ण-प्रतिबंध पर केंद्र मुस्तैद हो।

संत कवि सूरदास की कृष्ण आराधना

(लेखक - संजय गोस्वामी/ईएमएस)

सूरदास की जयंती 12 मई25, पर विशेष)

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को सूरदास जी का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल इस दिन को सूरदास जयंती (Surdas Jayanti 2024) के रूप में मनाया जाता है। अतः सूरदास की जयंती 12 मई 2024 को है।उनके पिता का नाम पंडित था। रामदास सारस्वत ब्राह्मण और माता का नाम जमुना दास था। सूरदास के पिता एक प्रसिद्ध गायक थे। सूरदास के जन्मांध होने की कई कहानियाँ प्रचलित हैं। कुछ विद्वानों का मानना है कि वह जन्म से ही अंधे थे, जबकि अन्य का मानना है कि वह बाद में अंधे हो गये। फरीदाबाद के निकट जी गाँव में उनका जन्म हुआ था वे जन्म से ही अंधे थे इसलिए उनका नाम सूरदास हुआ उन्होंने सूरसागर आदि महान रचनाओं की रचना की थी। सूरदास ने अपनी प्राथमिक शिक्षा अपने पिता से प्राप्त की। उसके बाद उन्होंने संस्कृत, व्याकरण, साहित्य और संगीत का अध्ययन किया। वह एक कुशल गायक और कवि थे। एक बार सूरदास की भेंट श्री वल्लभाचार्य से आगरा के निकट गऊघाट पर हुई। वल्लभाचार्य ने उन्हें पुष्टिमार्ग में दीक्षित किया और कृष्णलीला के पद गाने का आदेश दिया। वल्लभाचार्य के शिष्य के रूप में सूरदास ने कई वर्षों तक कृष्णलीला के कई पद गाए और लिखे। सूरदास को वल्लभाचार्य का शिष्य माना जाता है। वे मथुरा के गऊघाट स्थित श्रीनाथ जी के मंदिर में रहते थे। सूरदास का भी विवाह हो गया। आपको बता दें कि अलग होने से पहले वह अपने परिवार के साथ रहते थे। वल्लभाचार्य से मिलने से पहले सूरदास विनम्रता के पद गाते थे, लेकिन जब वे वल्लभाचार्य से मिले और उनके संपर्क में आए तो उन्होंने कृष्णलीला गाना शुरू कर दिया। कहा जाता है कि तुलसी की मुलाकात एक बार मथुरा में सूरदास जी से हुई और धीरे-धीरे उनके बीच प्रेम की भावना बढ़ती गई। ऐसा माना जाता है कि तुलसीदास ने सूरदास के प्रभाव में आकर श्री कृष्ण गीतावली की रचना की थी। सूरदास की सबसे प्रसिद्ध रचना सूरसागर है। यह एक महाकाव्य है जिसमें कृष्णलीला का वर्णन है। इस महाकाव्य में सूरदास ने कृष्ण के बचपन से लेकर उनके द्वारिका प्रवास तक की घटनाओं का वर्णन किया है। इस रचना ने सूरदास को हिन्दी साहित्य का सूर्य बना दिया। वह अपनी रचना सूरसागर के लिए बहुत प्रसिद्ध हैं। ऐसा माना जाता है कि उनके काम में लगभग 100000 गाने हैं, लेकिन आज केवल 8000 ही बचे हैं। इन गीतों में कृष्ण के बचपन और उनकी लीलाओं का वर्णन किया गया है। सूरदास अपनी कृष्ण भक्ति के साथ-साथ अपनी प्रसिद्ध रचना सूरसागर के लिए भी जाने जाते हैं। सूरदास की अनेक गद्य कृति है। इसमें सूरदास ने अपने जीवन और अनुभवों का वर्णन किया है। साहित्य लहरी 118 छंदों की एक लघु रचना है। यह सूरदास की एक काव्य रचना है। इसमें नल और दमयंती के प्रेम प्रसंग का वर्णन है। यह सूरदास की अनेक काव्य रचना भगवान कृष्ण के प्रति सच्ची भक्ती को दर्शाता है। इसमें कृष्ण और राधा के प्रेम प्रसंग का वर्णन है। सूरदास एक महान भक्त कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति की अनूठी भावना का परिचय दिया। सूरदास एक कुशल कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में ब्रज भाषा का सुन्दर प्रयोग किया है। सूरदास एक भावुक कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति के भावपूर्ण रूप को व्यक्त किया है। सूरदास हिन्दी साहित्य के महान कवि थे। उनकी कृतियों ने हिन्दी साहित्य को गौरवान्वित किया है। उनकी कविता का प्रभाव हिन्दी साहित्य के परवर्ती कवियों पर पड़ा। सूरदास की रचनाओं में भगवान श्री कृष्ण की भक्ति की भावना सर्वोपरि है। वह भगवान श्री कृष्ण के परम भक्त थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति की अनूठी भावना दर्शायी है। उनके काव्य में कृष्ण के प्रति प्रेम, सौन्दर्य और करुणा की भावनाएँ स्पष्ट दिखाई देती हैं। सूरदास एक कुशल कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में ब्रज भाषा का सुन्दर प्रयोग किया है। इनमें छंद, अलंकार और रस का सुंदर प्रयोग हुआ है सूरदास की मृत्यु जुलाई 1583 ई. में हुई। वे हिन्दी साहित्य के अमर कवि हैं। उनके काम आज भी लोगों को प्रेरणा देते हैं और लोग उनकी रचनाओं को बड़े चाव से गाते हैं।

(चिंतन-मनन)

दृष्टि में सब रखें

एक व्यक्ति ने कहा, सर्दी लग रही है। ठिठुर रहा हूं। दूसरे ने कहा, जाओ, कपड़ा ओढ़ लो। वह घर में गया और मलमल की चादर ओढ़ आया। आकर बोला, कपड़ा ओढ़ लिया, फिर भी ठंड लग रही है। उसने कहा, भले आदमी! मैंने कपड़ा ओढ़ने के लिए कहा था। इस ठिठुरन से बचने के लिए कैसा कपड़ा ओढ़ना है, यह विवेक तो तुम्हें होना ही चाहिए। मलमल से ठंड नहीं रूकती। वह रूकती है मोटे कपड़े से, ऊनी कपड़े से। जब तक मोटा कपड़ा या ऊनी कपड़ा नहीं ओढ़ा जाएगा, ठंड रूकेगी नहीं। कहने का अर्थ है कि यही बात देखने के विषय में है। देखना भी चल रहा है और विचार भी चल रहा है, यह नहीं होना चाहिए। देखने में केवल देखना ही चले। यह तभी संभव है जब देखना सघन हो। ठंड का रूकना तभी संभव है जब मोटा कपड़ा ओढ़ा जाए। प्रश्न होता है कि किसे देखें? क्या देखें? अच्छा-बुरा जो भी आए उसे देखें। प्रोध आए तो उसे भी देखो। मान आए तो उसे भी देखो। वास्तव में जो प्रोध को देखता है, वही मान को देखता है। प्रोध हमारी सबसे स्थूल वृत्ति है। यह सबके समक्ष प्रत्यक्ष होती है। मान छिपा रहता है। प्रकट कम होता है। प्रोध तत्काल प्रकट हो जाता है। प्रोध का परिणाम -दुख को देखो। सुख को भी देखो। सुख के स्पंदनों को देखो। दुख के स्पंदनों को देखो। जो भी अच्छा या बुरा है, उसे देखो। श्वास को देखो। शरीर को देखो। समत्व को देखो। तटस्थता को देखो। अनन्यदर्शी को देखो। उसको देखो जहां दूसरा कोई नहीं है। चेतना के उस शुद्ध स्वभाव को देखो जहां जानने-देखने के सिवाय कुछ भी नहीं है। वही परम दर्शन है।

विचार मंथन

युद्ध विराम का श्रेय मोदी या ट्रंप के नाम

(लेखक- सनत जैन)

भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ाई निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई थी। उसी बीच युद्ध विराम की खबर आ गई। युद्ध विराम की यह खबर अमेरिका से चलकर भारत पहुंची। भारत ने पुष्टि की। उसके बाद से युद्ध विराम को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध विराम का श्रेय लिया है। सबसे पहले उन्होंने ही युद्ध विराम का संकेत दिया, डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यस्थता का भी दावा किया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा अमेरिका की मध्यस्थता में लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान तत्काल युद्ध विराम के लिये सहमत हो गए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा 48 घंटे तक अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी बेंस, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के विदेश मंत्री जयशंकर तथा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सेना प्रमुख मुनीर से उपराष्ट्रपति बेंस लगातार बात कर रहे थे। दोनों देश युद्ध विराम और बातचीत के लिए तैयार हो गए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सीज फायर के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शुक्रिया अदा किया। पाकिस्तान ने चीन, सऊदी अरब, तुर्की और कतर को भी धन्यवाद दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत में युद्ध को लेकर जो छवि बनाई गई थी। इस बार पाकिस्तान के साथ निर्णायक लड़ाई होनी थी। पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में शामिल किए जाने के दावे किए जा रहे थे। पाकिस्तान की 4 दिनों में जिस तरह की हालत थी। उसके बाद यह लग रहा था कि भारत जल्द ही पाक अधिकृत कश्मीर को अपने कब्जे में लेगा। वहीं बलूचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित करेगा। पाकिस्तान को भारत ऐसा सबक सिखाएगा, जिसको वह कई पीढ़ियों तक नहीं भूल पाएगा। भारत का मीडिया भी इसी तरह की खबरों को लगातार चला रहा था। भाजपा का आईटी सैल भी यही दावा कर रहा था। जैसे ही अमेरिका की मध्यस्थता में भारत ने सीज फायर के लिए सहमति दी। उसके बाद भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो छवि बनाई गई थी। उसमें समर्थकों को बड़ा धक्का लगा। इतने वर्षों तक जम्मू कश्मीर और पाकिस्तान को लेकर कभी भी भारत ने किसी अन्य देश की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीज फायर और मध्यस्ता की बात स्वीकार करने से अभी तक उनकी जो छवि बनी हुई थी। उसमें जबरदस्त नुकसान देखने को मिल रहा है। जैसे ही सीज फायर की घोषणा हुई, उसके बाद नेशनल मीडिया के सभी चैनल और उनके एंकर एकदम से हतप्रभ रह गए। उन्हें सूझ नहीं रहा था, कि अब वह किस तरीके से अपने कार्यक्रम को आगे बढ़ाएं। पहलगाम की घटना के बाद बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे। एक ही झटके में वह हवा हवाई हो गए। कुछ इसी तरह की स्थिति भाजपा आईटी सेल की हो गई। भारत सरकार ने सीज फायर और मध्यस्थता की बात स्वीकार करके सबको हैरान और परेशान कर दिया। सीज फायर के कुछ ही घंटे के बाद पाकिस्तान की ओर से रात में हमले शुरू हो गए। उसको लेकर देश भर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बड़े-बड़े समाचार पत्रों को भी समझ में नहीं आ रहा था, कि वह सीज फायर की खबर को प्रमुखता से ले, या सीज फायर के बाद पाकिस्तान के हमले को प्रमुखता से लें। मीडिया में कई घंटे तक अनिश्चय की स्थिति बनी रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो छवि भाजपा आईटी सेल और नेशनल मीडिया ने बनाई थी। युद्ध विराम के बाद उस छवि पर विपरीत असर पड़ा है। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अब सबसे बड़ी चुनौती अपनी इमेज को बनाए रखने की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विश्व गुरु की जो छवि है, उसमें आघात लगा है। अमेरिका और चीन के दबाव में जिस तरह से भारत ने सीज फायर के प्रस्ताव को स्वीकार किया। उसके बाद सोशल मीडिया में 1971 का युद्ध, अमेरिका की धमकी, भारत की सेना का शौर्य और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के वीडियो वायरल होने लगे। आम लोगों में यह चर्चा होने लगी है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय अमेरिका के दबाव में है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में भारत सरकार ने यह फैसला लिया हैं। अमेरिका ने जब भारत के ऊपर टैरिफ लगाएं, भारत के नागरिकों को हथकड़ी लगाकर भारत वापस भेजा, उसके बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप रहे। भारत और पाकिस्तान के बीच जिस स्थिति में युद्ध विराम हुआ है। उसके बाद आम जनों के बीच निराशा देखने को मिल रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक हफ्ते में 2,400 रुपए से अधिक महंगा हुआ सोना, चांदी में भी रही तेजी

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी है। बीते एक हफ्ते में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत में 2,400 रुपए और चांदी की कीमत में 1,600 रुपए प्रति किलो से अधिक की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 96,416 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि 3 मई को 93,954 रुपए प्रति 10 ग्राम थी, जो सोने के दाम में 2,462 रुपए की वृद्धि को दिखाता है। 22 कैरेट के सोने का भाव बढ़कर 94,100 रुपए प्रति 10 ग्राम, 20 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 85,810 रुपए प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट के सोने का दाम बढ़कर 78,100 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। इसके अतिरिक्त चांदी की कीमतों में भी 1,601 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी देखने को मिली है। एक किलो चांदी का दाम बढ़कर 95,726 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि 3 मई को 94,125 रुपए प्रति किलो पर था। घरेलू के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में इजाफा देखने को मिला है। सोने की कीमत बढ़कर 3,344 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है, जो कि इस हफ्ते की शुरुआत में 3,246 डॉलर प्रति औंस पर थी। वहीं, इस दौरान चांदी की कीमत 32.20 डॉलर प्रति औंस से बढ़कर 32.90 डॉलर प्रति औंस हो गई है। सोने और चांदी की कीमत में इस साल की शुरुआत से ही तेजी का ट्रेंड देखा जा रहा है। एक जनवरी से अब तक 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का भाव 76,162 रुपए से 20,254 रुपए या 26.59 प्रतिशत बढ़कर 96,416 रुपए हो गया है। इस दौरान चांदी की कीमत 86,017 रुपए प्रति किलो से 9,709 रुपए या 11.28 प्रतिशत बढ़कर 95,726 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है।

खाद निर्माता कंपनी कोरमंडल हर शेयर पर देगी 9 रुपए का डिविडेंड

नई दिल्ली।

खाद उत्पादक कंपनी कोरमंडल ने मार्च 2025 में समाप्त तिमाही और पूरे वित्त वर्ष के नतीजे जारी किए हैं। कंपनी का प्रदर्शन इस साल काफी अच्छा रहा है। मार्च तिमाही में कंपनी का राजस्व 5,114 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही के 3,996 करोड़ रुपये से काफी ज्यादा है। इसी तरह मुनाफा भी 164 करोड़ से बढ़कर 578 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का कुल राजस्व 24,444 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल यह 22,290 करोड़ रुपये था। कंपनी का नेट प्रॉफिट भी 1,641 करोड़ से बढ़कर 2,055 करोड़ रुपये हो गया है। बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए कोरमंडल इंटरनेशनल ने अपने शेयरधारकों के लिए प्रति शेयर 9 रुपये डिविडेंड देने की घोषणा की है। इसमें से 6 रुपये अंतिम लाभांश और 3 रुपये विशेष लाभांश के रूप में दिया जाएगा। यह लाभांश 1 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयर पर 900 फीसदी के बराबर है। इससे पहले फरवरी में कंपनी ने 6 रुपये का अंतरिम लाभांश भी दिया था।

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली।

भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने रे विवार को सुबह 6 बजे ईंधन के नए दाम जारी कर दिए हैं। जारी रेट के अनुसार रे विवार को भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि कच्चे तेल की बात करें तो अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 65-78 डॉलर प्रति बैरल, जो कि पिछले दिनों के मुकाबले कम है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए लीटर, डीजल 87.67 रुपए लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपए लीटर, डीजल 90.03 रुपए टर, कोलकाता में पेट्रोल 105.01 रुपए लीटर, डीजल 91.82 रुपए लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.80 रुपए लीटर, डीजल 92.39 रुपए लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.87 रुपए लीटर, डीजल 88.14 रुपए लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.92 रुपए लीटर, डीजल 88.99 रुपए लीटर व अन्य शहरों में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं देखा गया है।

रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लि. जल्द करेगी आईपीओ लॉन्च, सेबी से हरी झंडी का इंतजार

नई दिल्ली।

रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने आईपीओ लॉन्च करने की योजना बनाई है। रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड 1100 करोड़ रुपए तक फंड जुटाने की तैयारी में है। इसके लिए कंपनी ने सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा कर दिया है। इस आईपीओ में पूरी तरह से इक्विटी शेयरों का नया इश्यू शामिल किया जाएगा, जिसमें बिक्री के लिए कोई ऑफर नहीं होगा। इसका उद्देश्य कंपनी के विस्तार और वित्तीय रणनीतियों का समर्थन करना है। कंपनी 220 करोड़ के प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर विचार कर सकती है। यदि ऐसा किया गया तो इश्यू का आकार उसी अनुपात में कम हो जाएगा।आईपीओ से प्राप्त कमाई को अलग-अलग मोर्चे पर खर्च किया जाएगा। इसमें से 251 करोड़ रुपए की रकम का इस्तेमाल नए निर्माण उपकरणों की खरीद के लिए किया जाएगा। इससे कंपनी की परिचालन क्षमताएं मजबूत होगी। इसके अतिरिक्त 334 करोड़ रुपए कंपनी की सहायक कंपनियों को मौजूदा उधारों के री-पेमेंट में सहायता के लिए दिए जाएंगे। कुछ कर्ज को चुकाने के लिए 289 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जिससे वित्तीय स्थिरता में सुधार तय होगा। आईपीओ का प्रबंधन मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड और एक्सिस कैपिटल लिमिटेड द्वारा किया जाता है। रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड 26 फरवरी, 2009 को वजूद में आया था।

पहले इस कंपनी का नाम रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड था। इसके कई साल बाद कंपनी 2023 में रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड बन गई। इस कंपनी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड के साथ सात पूरी हो चुकी परियोजनाओं और 10 चालू परियोजनाओं के साथ शुरुआत की थी।

चालू वित्त वर्ष में भी दोपहिया वाहनों की बिक्री में रहेगी तेजी: टीवीएस मोटर

वित्त वर्ष 2024-25 में दोपहिया वाहनों का पंजीकरण बढ़कर 1,88,77,812 इकाई हुआ

नई दिल्ली।

टीवीएस मोटर कंपनी के सीईओ ने कहा है कि आयकर में छूट, बुनियादी ढांचे पर खर्च में वृद्धि और सामान्य मानसून की उम्मीदों से घरेलू दोपहिया वाहन उद्योग में चालू वित्त वर्ष में भी वृद्धि की रफ्तार कायम रहने की उम्मीद है। कुल मिलाकर वित्त वर्ष 2024-25 में दोपहिया वाहनों का पंजीकरण आठ प्रतिशत बढ़कर 1,88,77,812 इकाई हो गया, जबकि 2023-24 में यह 1,75,27,115 इकाई था। कंपनी अ धिकारी ने विश्लेषकों से बातचीत में कहा कि हमें उम्मीद है कि घरेलू बाजार में कुल मिलाकर वृद्धि की गति पिछले साल की तरह ही रहेगी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष की पहली तिमाही बिक्री के मामले में मध्यम हो सकती है, लेकिन मई और जून में बिक्री मजबूत रहने की उम्मीद है, क्योंकि दोनों माह के दौरान कई शादी-विवाह के दिन हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर लगभग 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि यह मुख्य रूप से खपत में वृद्धि और कृषि क्षेत्र में सुधार से प्रेरित है। पिछले तीन महीनों में नीतिगत दर रेपो में 0.50 प्रतिशत की कमी से उपभोक्ताओं के लिए मासिक किस्त (ईएमआई) कम हुई है। इससे व्यापक आधार पर दोपहिया खरीदना आसाना होगा। बीते वित्त वर्ष 2024-25 में टीवीएस मोटर कंपनी की कुल दोपहिया और तिपहिया वाहन बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 47.44 लाख इकाई रही, जबकि 2023-24 में यह 41.91 लाख इकाई थी।

इस सप्ताह महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी शेयर बाजार की नजर

थोक महंगाई जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े भी इस सप्ताह अहम भूमिका निभाएंगे

मुंबई।

भारत और पाकिस्तान तनाव से सहमे निवेशकों की बिकवाली के दबाव की वजह से बीते सप्ताह लगभग डेढ़ प्रतिशत तक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार की इस सप्ताह अप्रैल के जारी होने वाली थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े पर नजर रहेगी। बाजार विश्लेषकों के अनुसार भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में निवेशकों की धारणा पर इसका सीमित प्रभाव देखने को मिला है। इस वर्ष अप्रैल में निरंतर विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) और रिकॉर्ड वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत दिया, जिससे बाजारों में स्थिरता बनी रही। कमजोर अमेरिकी डॉलर और स्थिर कच्चे तेल की कीमतों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया है। भारत-ब्रिटेन के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की सकारात्मक चर्चा ने विशेष रूप से कपड़ा, ऑटोमोबाइल और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में तेजी को समर्थन दिया। वैश्विक स्तर पर भी संकेत उत्साहवर्धक रहे हैं। अमेरिका की फेडरल रिजर्व ओपेन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की नीतिगत बैठक के सतर्क रुख के बावजूद अमेरिका और चीन व्यापार वार्ता की संभावित बहाली तथा अमेरिका और ब्रिटैन व्यापार समझौते को लेकर आशावाद ने

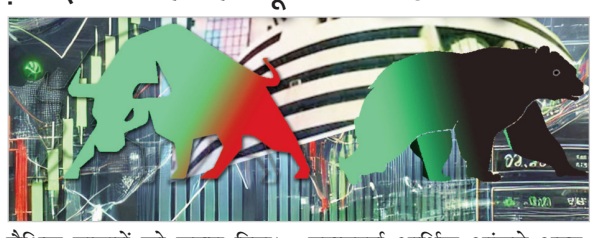

वैश्विक बाजारों को सहारा दिया। इसके साथ ही पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना द्वारा ब्याज दरों में कटौती के फैसले ने क्षेत्रीय बाजारों में सकारात्मक रुख को बढ़ावा दिया, जिससे निवेशकों का विश्वास और मजबूत हुआ। बाजार की इस सप्ताह दिशा निर्धारित करने में घरेलू स्तर पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित थोक महंगाई जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े अहम भूमिका निभाएंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि मुद्रास्फीति के दबाव में कुछ नरमी देखने को मिल सकती है।

हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव एक महत्वपूर्ण जोखिम बना हुआ है। बावजूद इसके बाजार को उम्मीद है कि भारत की कूटनीतिक, आर्थिक और सैन्य शक्ति इस संकट को जल्द सुलझा लेगी।

शेयर बाजार में इस हफ्ते 14 कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी

लिस्ट में एसबीआई जैसे दिग्गज शेयर भी शामिल

नई दिल्ली। शेयर बाजार में एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने वाली 14 कंपनियां, इस हफ्ते नजर आ रही हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और पीएसयू स्टॉक बीईएमएल भी इस सूची में शामिल हैं। 13 मई को आईअरबी इनविट फंड, आईएफजीएल रेफ्रैक्टरिज लिमिटेड, और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड डिविडेंड जारी करने का फैसला लिए हैं। 14 मई को आर सिस्टम्स इंटरनेशनल लिमिटेड, फेस्को इंडिया लिमिटेड, और बीएसई लिमिटेड भी एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी। आर सिस्टम्स इंटरनेशनल लिमिटेड इन्वेस्टर्स को 6 रुपये का डिविडेंड देगी, जबकि फेस्को इंडिया लिमिटेड 25 रुपये का वितरण करेगी। 15 मई को, ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी लिमिटेड, मण्णापुरम् फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, और पीएसयू कंपनी बीईएमल डिविडेंड देने के लिए तैयार होंगी। आने वाले 16 मई को नर्मदा मेमकप्लास्ट ड्रिप इरीगेशन सिस्टम लिमिटेड, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और इंडियान इनर्जी लिमिटेड भी अपने निवेशकों को डिविडेंड सुविधा प्रदान करेंगी। इस हफ्ते के शुरुआती दिनों में, शेयर बाजार में एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने वाली ये कंपनियां निवेशकों को नए वितरण के अवसर प्रदान करेंगी।

जानिए, लग्जरी कारों की कीमतें क्यों होती है आम आदमी की पहुंच से दूर

नई दिल्ली।

जो लग्जरी कार अमेरिका या दुबई में औसत कमाई वाले लोग भी खरीद सकते हैं, वही कार भारत में करोड़ों रुपये की कैसे बन जाती है। इसका जवाब टैरिफ और टैक्स की जटिल व्यवस्था में छिपा है। उदाहरण के तौर पर, दुबई में महज 30 लाख रुपये में मिलने वाली एसयूवी भारत में पहुंचते-पहुंचते करीब 2 करोड़ रुपये की हो जाती है। ऐसा ही अंतर बीएमडब्ल्यू एक्स5 और रेंज रोवर जैसी कारों में भी देखने को मिलता है। इनवेस्टमेंट बैंकर सार्थक आहुजा के मुताबिक, रेंज रोवर जो अमेरिका में सिर्फ 80 लाख रुपये में मिलती है, वह भारत में 2 करोड़ रुपये में बिकती है। इसी तरह, फार्च्यूनर जो भारत में करीब 50 लाख की है, वह दुबई में केवल 35 लाख रुपये में मिल जाती है। इस भारी अंतर की सबसे बड़ी वजह है भारत में लागू टैरिफ यानी आयात शुल्क। सरकार लग्जरी गाड़ियों पर 60 से 100 फीसदी तक का इंपोर्ट ड्यूटी वसूलती है। इसके अलावा 28 फीसदी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाया जाता है और उस पर भी अलग से सेस जोड़ा जाता है। यही नहीं, इन सभी टैक्स के अलावा रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस जैसे राज्य-स्तरीय शुल्क भी उपभोक्ता को चुकाने होते हैं। कुल मिलाकर, किसी इम्पोर्टेड कार की मूल कीमत का लगभग 45 से 50 फीसदी केवल टैक्स और शुल्क में चला जाता है। इसके उलट, दुबई जैसे देशों में इंपोर्ट ड्यूटी और टैक्स काफी कम

होते हैं, जिससे वही कार वहां बहुत सस्ती मिल जाती है। इसका एक दूसरा पहलू यह भी है कि भारत में बनी टाटा, मारुति और महिंद्रा जैसी कंपनियों की गाड़ियां अपेक्षाकृत सस्ती होती हैं क्योंकि इनका निर्माण यहीं होता है और इन पर आयात शुल्क लागू नहीं होता। यही कारण है कि स्थानीय निर्माण से ग्राहकों को कम कीमत का लाभ मिल जाता है। लेकिन जैसे ही ये गाड़ियां विदेश जाती हैं, वहीं की टैक्स व्यवस्था इन्हें महंगी बना देती है।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते से लक्जरी कार कीमतों पर असर नहीं: कंपनियां

समझौते के तहत 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम होगा

नई दिल्ली।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया और बीएमडब्ल्यू ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के सकारात्मक पहल की घोषणा की है। इस समझौते के तहत 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम होगा, जिससे भारत में भारतीय उत्पादों का आयात आसान हो जाएगा। समझौते का उद्देश्य है व्यापार को दोगुना कर 2030 तक 120 अरब डॉलर पहुंचाना। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के सीईओ ने इस समझौते का स्वागत किया और बताया कि इससे कारों की कीमतों पर असर नहीं पड़ेगा। व्यापार समझौते के तहत भारतीय उत्पादों को विदेश में पहुंचाने की सुविधा मिलेगी। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने भी इस समझौते की महत्वता बताई और व्यापार को बढ़ावा देने का समर्थन किया। इसके अलावा ये समझौते साथ ही भारतीय उद्योगों के संरक्षण और वाहन क्षेत्र में आयात शुल्क को कम करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि की उम्मीद है और अगले समय में उत्पादों की कीमतों में भी कटौती की जा सकती है। उन्होंने कहा` कि भारत-ब्रिटेन एफटीए एक ऐतिहासिक करार प्रतीत होता है, जिसमें वस्तुएं, सेवाएं और परिवहन शामिल हैं और यह विकसित भारत के व्यापक दृष्टिकोण में योगदान देगा।

अपस्ट्रीम ऑयल सेक्टर में गैस उत्सर्जन की जांच के लिए नियम को सख्त करने जा रही सरकार

अपस्ट्रीम ऑयल सेक्टर में गैस उत्सर्जन की जांच के लिए नियम को सख्त करने जा रही सरकार

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार अपस्ट्रीम ऑयल सेक्टर में गैस उत्सर्जन की जांच के लिए नियम को सख्त करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए ड्राफ्ट पॉलिसी भी तैयार कर ली गई है।

अपस्ट्रीम ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन और उत्पादन क्षेत्र के लिए तैयार की गई केंद्र की नई ड्राफ्ट पॉलिसी का उद्देश्य गैस फ्लेयरिंग गतिविधियों सहित खनिज तेल संचालन के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और फ्लेयर्ड गैस की करीब से निगरानी करना है।

तेल क्षेत्रों से उत्पादन के दौरान गैस का नियमित रूप से प्रज्वलन होता रहता है, क्योंकि उत्पादन क्षेत्रों में गैस के उपयोग के लिए फैलिसिटीज जैसे रिइंजेक्शन, ऑन-साइट उपयोग, बाजार तक परिवहन आदि की कमी होती है। ड्राफ्ट पॉलिसी में यह प्रावधान है कि सभी पट्टेधारक और ठेकेदारों को प्रत्येक कैलेंडर तिमाही के अंत से पंद्रह दिनों के भीतर निश्चित फॉर्मेट के अनुसार तिमाही आधार पर प्रज्वलित गैस की मात्रा और उससे संबंधित उत्सर्जन की रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। नियमों में यह स्पष्ट किया गया है कि हर पट्टेदार और ठेकेदार खनिज तेल उत्पादक परिचालन के दौरान होने वाली ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन को कम करने के उपाय अपनाएगा और लागू पर्यावरण कानूनों और मानदंडों का अनुपालन करेगा। ड्राफ्ट नियमों में कहा गया है कि प्रत्येक पट्टेदार और ठेकेदार को पट्टे पर दिए गए क्षेत्र से खनिज तेल का उत्पादन शुरू होने के 180 दिनों के भीतर खनिज तेल परिचालन से ग्रीनहाउस उत्सर्जन के स्रोतों की पहचान और मापने से विधि के लिए एक निगरानी प्लान प्रस्तुत करना होगा। ड्राफ्ट नियमों में आगे कहा गया कि पट्टेदार या ठेकेदार भारत सरकार को एक पर्यावरण प्रबंधन योजना और आपदा योजना प्रस्तुत करेगा, जिसमें भूजल दूषित होने और वायुमंडलीय उत्सर्जन सहित पर्यावरण के लिए जोखिम को कम करने के उपायों की रूपरेखा होगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ड्राफ्ट नियमों पर पक्षकारों से टिप्पणियां मांगी हैं।

गैलेक्सी झेड फलीप 7 एफई जल्द आज सकता है बाजार में

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में सैमसंग अपना नया फोल्डेबल डिवाइस गैलेक्सी झेड फलीप 7 एफई जल्द ही उतार सकता है। गैलेक्सी झेड फलीप 7 एफई को सैमसंग की फ्लिप सीरीज़ का अधिक किफायती वर्जन माना जा रहा है। यह फोन कंपनी के आगामी गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट में पेश किया जा सकता है, जहां गैलेक्सी झेड फोल्ड 7 और गैलेक्सी झेड फलीप 7 भी लॉन्च होने की उम्मीद है। लॉन्च से पहले ही इस फोन से जुड़ी कई अहम जानकारियां ऑनलाइन लीक हो चुकी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सैमसंग इस डिवाइस की कीमत 1,000 यूरो (करीब 96,000 रुपये) से कम रख सकता है, जो कि मौजूदा गैलेक्सी झेड फलीप 6 की शुरुआती कीमत के आसपास है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इसमें 6.7 इंच की एलटीपीओ सुपर एमोलेड 2एक्स फोल्डेबल स्क्रीन दी जा सकती है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करेगी। कवर स्क्रीन का साइज 3.4 इंच हो सकता है। फोन में क्वालकॉम का स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 प्रोसेसर और 12जीबी रैम दिए जाने की संभावना है।

यह फोन 4000एमएएच की बैटरी के साथ आ सकता है, जो 25वॉट फास्ट चार्जिंग और 15वॉट वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करेगा। साथ ही आईपी48 रेटिंग मिलने की उम्मीद है, जो इसे धूल और पानी से सुरक्षित रखेगी। फोटोग्राफी के लिए इसमें डुअल रियर कैमरा सेटअप हो सकता है, जिसमें 50 मेगापिक्सल का मुख्य सेंसर और 12 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड लेंस शामिल होगा। फ्रंट में 10 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा मिल सकता है। सभी कैमरे 4 के 60एफपीएस वीडियो रिकॉर्डिंग को सपोर्ट कर सकते हैं।

मंडियों में आवक घटने और मांग बढ़ने से तेल-तिलहन कीमतों में तेजी रही

मूंगफली और सोयाबीन का हाजिर दाम अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य से काफी कम

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह मंडियों में कम आवक और मांग बढ़ने के बीच देश के तेल-तिलहन बाजार में सभी तेल-तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद हुए। इसके बावजूद मूंगफली और सोयाबीन का हाजिर दाम अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से काफी कम है। बाजार सूत्रों ने कहा कि वर्तमान में जो सुधार देखा गया वह पिछले सप्ताह की कीमत के मुकाबले जरूर आया है पर इसे सुधार कहना अनुचित होगा। जैसे नवंबर, 2024 में जिस सीपीओ का दाम 1,310 डॉलर प्रति टन था वह घटकर 1,025-1,030 डॉलर टन रह गया है। अब अगर सीपीओ का मौजूदा दाम बढ़कर 1,035-1,040 डॉलर हो जाये तो इसे 'तेल कीमतों में भारी तेजी' बताना सही नहीं होगा। संभवत- इसी तरह की समीक्षाओं की वजह से भी देश के तेल-तिलहन उत्पादन को आघात पहुंचा है और देश खाद्य तेलों के मामले में आयात पर निर्भर होता चला गया है। सूत्रों ने कहा कि विदेशों में दाम टूटने के बीच कच्चे पाम तेल (सीपीओ) की मांग बढ़ने लगी है। मलेशिया में सीपीओ का उत्पादन बढ़ने का समय है और उम्मीद है कि इसका दाम सोयाबीन तेल से और घटेगा और उसके बाद इसकी मांग में अभी के मुकाबले और सुधार होगा। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 185 रुपये के सुधार के साथ 6,460-6,560 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि, सरसों दादरी तेल का थोक भाव 675 रुपये के सुधार के साथ 13,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,435-2,535 रुपये और 2,435-2,560 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 125-125 रुपये सुधार के साथ क्रमशः 4,600-4,650 रुपये और 4,300-4,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 500 रुपये, 350 रुपये और 400 रुपये बढ़कर क्रमशः 13,550 रुपये, 13,300 रुपये और 9,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन का दाम 125 रुपये की मजबूती के साथ 5,750-6,125 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 200 और 30 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 14,100 रुपये क्विंटल और 2,250-2,550 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। सूत्रों ने कहा कि छिटपुट मांग बढ़ने से सीपीओ 200 रुपये की मजबूती के साथ 11,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये की तेजी के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 350 रुपये की मजबूती के साथ 12,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। तेजी के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 350 रुपये बढ़कर 13,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

मोटो जी86 5जी लॉन्च करने की तैयारी, मिलेंगे दमदार फीचर्स

नई दिल्ली।

मोटोरोला कंपनी जल्द ही मोटो जी86 5जी लॉन्च कर सकती है। हाल ही में सामने आई एक लीक में इस अपकमिंग डिवाइस के लगभग सभी फीचर्स उजागर हो चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मोटो जी86 5जी में 6.67 इंच का फुल एचडी प्लस कर्व्ड पीओएलईडी डिस्प्ले मिलेगा, जो 10-बिट कलर सपोर्ट और 120एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ आएगा। यह फोन पिछले साल लॉन्च हुए मोटो जी85 का अपग्रेड वर्जन होगा। इसकी ब्राइटनेस 4500 निट्स तक हो सकती है और स्क्रीन को गोरिल्ला ग्लास 7 आई का प्रोटेक्शन मिल सकता है। प्रोसेसर की बात करें तो इसमें मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7300 चिपसेट मिलने की संभावना है। फोन में 12जीबी तक रैम और 256जीबी तक इंटरनल स्टोरेज का विकल्प मिलेगा। कैमरा सेगमेंट में यह स्मार्टफोन भी दमदार साबित हो सकता है। पीछे की तरफ इसमें ओआईएस सपोर्ट वाला 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा और 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड लेंस मिलेगा। फोन को एमआईएल एसटीडी 810एच सर्टिफिकेशन और आईपी68 रेटिंग के साथ पेश किया जा सकता है, जिससे यह डस्ट और वॉटर रेजिस्टेंस के मामले में भी मजबूत रहेगा। मोटो जी86 5जी को एक प्रीमियम लेकिन मिड-रेंज विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, सेल्फी के लिए इसमें 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया जा सकता है।

बैटरी के मामले में यह फोन दो ऑप्शन्स में आ सकता है - 5200एमएएच या फिर बड़ी 6720 एमएएच की बैटरी, जो 33वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। सिक्योरिटी के लिए इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर और सॉफ्टवेयर के लिहाज से यह एंड्रॉयड 15 पर काम करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

धवन बोले, सीजफायर तोड़कर पाक ने अपना घटियापन दिखाया

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने सीजफायर तोड़ने पर पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया है। धवन ने इसी को लेकर सोशल मीडिया में लिखा, घटिया देश ने फिर अपना घटियापन पूरी दुनिया को दिखा दिया। इससे पहले भी धवन ने दोनो देशों के बीच तनाव पर लिखा था, हमारी सीमाओं की इतनी मजबूती से रक्षा करने और ड्रोन हमले को रोकने के लिए हमारे बहादुर जवानों को सम्मान। भारत मजबूती से खड़ा है। जय हिंद। **वहीं इससे पहले पूर्व क्रिकेटर वीरेन्द्र सहवाग ने भी सोशल मीडिया में पाक पर तीखा प्रहार किया था। सहवाग ने लिखा था। 'कुत्ते की दुम टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है।'** शनिवार शाम दोनों देशों के बीच औपचारिक रूप से संघर्ष विराम समझौते की घोषणा की थी। दोनों पक्षों के सैन्य संचालन महानिदेशकों ने तत्काल प्रभाव से गोलीबारी समाप्त करने पर सहमति जताई थी पर पाकिस्तान ने इस विराम को कुछ ही घंटों में तोड़ दिया। वहीं बाद में हालांकि उसे संघर्ष विराम का पालन करने पर विवश होना पड़ा।

आईपीएल के फिर से शुरू होने की संभावना के मद्देनजर बीसीसीआई ने फेंचाइजी को मंगलवार तक एकत्रित होने को कहा

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी दस आईपीएल फ्रेंचाइजी को मंगलवार तक एकत्रित होने को कहा है, क्योंकि टूर्नामेंट के फिर से शुरू होने की संभावना है। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पार तनाव के कारण बीसीसीआई ने शुक्रवार को आईपीएल 2025 को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया था, खासकर धर्मशाला में पंजाब किंग्स-दिल्ली कैपिटल्स की भिड़ंत के बाद हवाई हमलों और जम्मू और पठानकोट जैसे आस-पास के इलाकों में ब्लैकआउट के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। निलंबन के समय, आईपीएल 2025 ने 58 गेम पूरे कर लिए थे - जिसमें 12 लीग चरण के मैच और प्लेऑफ शेष थे। निलंबन की घोषणा के तुरंत बाद, सभी फ्रेंचाइजी के क्रिकेटर, साथ ही अधिकांश सहयोगी स्टाफ सदस्य अपने-अपने घरों और देशों के लिए रवाना हो गए। रविवार को नाम न बताने की शर्त पर एक शीर्ष फ्रेंचाइजी अधिकारी ने आईएएनएस से कहा, हां, हमें मंगलवार को अपनी टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को इकट्ठा करने के बारे में सूचित किया गया है। हमें कहां इकट्ठा होना है, यह अभी पता नहीं है। लेकिन अब तक, हमें बीसीसीआई से टीम को इकट्ठा करने की प्रक्रिया शुरू करने और मंगलवार तक सभी को इकट्ठा करने के बारे में संदेश मिला है। हम अब जल्द से जल्द विदेशी खिलाड़ियों को भारत वापस लाने की प्रक्रिया भी शुरू करेंगे। आईएएनएस को पता चला है कि पंजाब किंग्स के मुख्य कोच और सहायक कोच रिकी पोंटिंग और ब्रैड हैडिन अभी भी भारत में हैं और जस्टिन लैंगर (मुख्य कोच, लखनऊ सुपर जायंट्स) और माइक हसी (बल्लेबाजी कोच, चेन्नई सुपर किंग्स) जैसे उनके अन्य कोचिंग समकक्षों के विपरीत ऑस्ट्रेलिया वापस नहीं गए हैं। इस एजेंसी ने पहले शनिवार को बताया था कि बीसीसीआई का लक्ष्य 25 मई से पहले आईपीएल के सभी शेष मैच पूरे करना है, क्योंकि भारत ए टीम को इंग्लैंड के तीन मैचों के दौरे के लिए रवाना होना है। मूल आईपीएल कार्यक्रम के

अनुसार, 25 मई को फाइनल होगा, जो कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। यह समझा जाता है कि संशोधित कार्यक्रम के लिए तिथियों और स्थानों पर अंतिम निर्णय आईपीएल गवर्निंग काउंसिल द्वारा लिया जाएगा, जो सरकार से मिलने वाली सलाह के बाद लिया जाएगा, खासकर शनिवार रात को संघर्ष विराम के उल्लंघन के बाद। आईपीएल खत्म होने के बाद, भारत की टेस्ट टीम 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएगी।

विराट को लेकर काउंटी क्रिकेट का वीडियो देखकर भड़के प्रशंसक

लंदन।भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से जहां प्रशंसक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेने की अपील कर रहे हैं। वहीं इंग्लैंड के 'काउंटी क्रिकेट' ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर उनके प्रशंसकों पर कटाक्ष किया है। इस वीडियो में वह बोल्ड और विकेट के पीछे आउट होते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने इसे पोस्ट करते हुए लिखा, ''हम तुम्हें दोष नहीं देते विराट।' काउंटी क्रिकेट की इस हरकत पर विराट के प्रशंसक भड़के हुए हैं।

एक प्रशंसक ने लिखा, ' विराट तब से रन बना रहे हैं जब आपके पास ब्रॉड और जिमी थे। तो अब जिमी या ब्रॉडी के बिना आपके नए गेंदबाज़ क्या कर सकते हैं?' विराट के एक प्रशंसक ने लिखा ,

'कृपया और भी ऐसा ही करें क्योंकि विराट इससे और भी बेहतर प्रदर्शन को प्रेरित होते हैं। विराट को पूरी ताकत से वापसी करने के लिए यही सब देखने की जरूरत है।'

एक प्रशंसक ने लिखा, 'उसने शायद आपके पूरे गांव के कुल रनों से ज़्यादा रन बनाए हैं। बैठ जाओ।' एक प्रशंसक ने इंग्लैंड की टीम को रोस्ट करते हुए लिखा, 'उन्होंने वर्तमान इंग्लैंड टीम से अधिक शतक बनाए है।'

विराट ने भी संन्यास की घोषणा नहीं की है।

वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी उनसे अपने फैसले पर फिर से विचार करने को कहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार चयनकर्ता इस माह के अंत में इंग्लैंड दौर के लिए टीम की घोषणा कर सकते हैं। इससे पहले वह एक बार फिर विराट से बात करेंगे।

आईपीएल के बचे हुए मैचों के लिए शेड्यूल शीघ्र घोषित कर सकती है बीसीसीआई

मुम्बई।

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद अब एक बार फिर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले शुरु होने की उम्मीद जतायी जा रही है। दोनो देशो के बची तनाव बढ़ने के कारण शुक्रवार को आईपीएल मुकाबले एक सप्ताह के लए स्थगित कर दिये गये थे। अब जबकि सीजफायर लागू हो गया है तो ऐसे में आईपीएल के बचे हुए मुकाबलों का शेड्यूल (कार्यक्रम) शीघ्र घोषित हो सकता है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार 15 या 16 मई से आईपीएल फिर शुरू होने की संभावना है। बीसीसीआई जल्द ही नए कार्यक्रम की घोषणा करेगा। लीग में अभी तक 57 मैच खेले गये हैं। पंजाब और दिल्ली किंग्स मैच से ही सत्र निलंबित किया गया था। वहीं से ये फिर से शुरु होगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई बचे हुए कार्यक्रम को शीर्ष ही अंतिम रुप दे सकता है। इस दौरान धर्मशाला के अलावा अन्य सभी स्थलों पर मुकाबले खेले जाएंगे। इसी के तहत ही स्वदेश लौटे अधिकतर विदेशी खिलाड़ियों को जल्द से जल्द अपनी-अपनी टीमों से जुड़ने को कहा जाएगा। आईपीएल के इसी सत्र में कुल 60 से अधिक विदेशी खिलाड़ी खेल रहे हैं। अब तक कुल 57 मैच खेले जा चुके हैं और बाकी मैच भी तय समय में पूरे किये जाएंगी। बोर्ड आने वाले दिनों में नया कार्यक्रम जारी करेगा। लीग में गुजरात टाइटंस पहले, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) दूसरे पंजाब किंग्स तीसरे व मुंबई इंडियंस चौथे नंबर पर हैं।

दीपिका, पार्थ ने कांस्य पदक जीता, भारत ने तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-2 में 7 पदक जीते

शंघाई।

अनुभवी तीरंदाज दीपिका कुमारी और पार्थ सालुंखे ने कांस्य पदक जीते, जिससे भारत ने रविवार को तीरंदाजी विश्व कप स्टेज 2 में सात पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। कांस्य पदक के लिए हुए तनावपूर्ण मुकाबले में दीपिका ने टोक्यो ओलंपिक टीम की स्वर्ण पदक विजेता कोरिया की कांग चाएयंग को 7-3 के स्कोर से हराया। उनकी जीत ने महिला रिकर्व श्रेणी में भारत का इस साल का पहला पदक और व्यक्तिगत विश्व कप में उनका 12वां पदक चिह्नित किया। उन्होंने दो बेहतरीन अंतिम सेट खेले, जिसमें उन्होंने परफेक्ट 30 और लगभग परफेक्ट 29 का स्कोर बनाया, जिससे जीत सुनिश्चित हुई। दीपिका महिला रिकर्व सेमीफाइनल में पहुंचने वाली एकमात्र गैर-कोरियाई थीं, जिन्होंने सेमीफाइनल में पेरिस ओलंपिक चैंपियन लिम सिह्योन से 1-7 से हारने के बाद कांस्य पदक जीतकर कोरियाई टीम को जीत से रोका। मौजूदा अंडर-21 विश्व चैंपियन पार्थ सालुंखे ने पुरुष रिकर्व वर्ग में अपना पहला विश्व कप पदक जीता। उन्होंने पेरिस ओलंपिक पदक विजेता फ्रांस के बैप्टिस्ट एडिस को कांटे की टक्कर वाले कांस्य पदक मैच में 6-4 से हराया। पार्थ ने इससे पहले दक्षिण कोरिया के किम वू जिन के खिलाफ सेमीफाइनल में कड़ी टक्कर दी थी, उन्होंने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मैच को बराबर कर दिया था, लेकिन निर्णायक सेट में अंतिम शॉट 7 के कारण वह 4-6 से पिछड़ गए।

कांस्य मैच में, वह फिर से 4-4 से अंतिम सेट में प्रवेश किया, लेकिन लगातार 10 के साथ जीत सुनिश्चित करने के लिए अपना धैर्य बनाए रखा। उनकी जीत ने फ्लोरिडा विश्व कप में धीरज के कांस्य के बाद पुरुष रिकर्व में भारत का दूसरा लगातार पदक दर्ज किया। रिकर्व स्पर्धाओं में इन दो कांस्य पदकों के साथ, भारत ने शंघाई विश्व कप में कुल सात पदक जीते- 2 स्वर्ण, 1 रजत और 4 कांस्य।

संक्षिप्त समाचार

विराट और अनुष्का का विडियो प्रशंसकों ने साझा कर संन्यास न लेने कहा

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ओर उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा को गंभीर मुद्रा में मुंबई की सड़कों पर घूमते हुए देखकर प्रशंसकों में हलचल मच गयी है। इसका एक वीडिया भी प्रशंसकों ने सोशल मीडिया में साझा किया है। इसमें एक यूजर ने लिखा, विराट कोहली और अनुष्का शर्मा आज मुंबई में एक साथ। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा, कोहली को इस प्रकार घूमते देखकर दिल टूट गया। एक अन्य कमेंट में लिखा गया, भाभी जी, प्लीज विराट भाई को समझाइए, टेस्ट क्रिकेट से अभी संन्यास न लें। सोशल मीडिया पर ऐसे सैकड़ों कमेंट्स देखने को मिल रहे हैं जिनमें विराट कोहली के संभावित संन्यास पर प्रशंसकों की चिंता झलकती है। **विराट ने भी हाल ही में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की बात की थी। इसके बाद से ही उनके प्रशंसकों में उदासी छायी है।** विराट और अनुष्का हमेशा से एक-दूसरे का समर्थन करते दिखे है। अनुष्का आम तौर पर स्टेडियम में विराट का हौसला बढ़ाती हुई दिखती हैं, वहीं विराट भी अपने करियर में उनकी भूमिका की प्रशंसा करते रहे हैं।

रायुडू ने की विराट से संन्यास नहीं लेने की अपील

नई दिल्ली।

पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को अभी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिये। रायुडू के अनुसार विराट में अभी काफी क्रिकेट बाकी है और उनके बिना टेस्ट क्रिकेट पहले की तरह नहीं रहेगा। इसलिए उन्हें अपने फैसले पर फिर से विचार करना चाहिये। साथ ही लिखा, आपके पास अभी बहुत कुछ देने को है। आपके बिना टेस्ट क्रिकेट वैसा नहीं होगा, जब आप भारत के लिए मैदान पर उतरते हैं। इसलिए अपने फैसले पर एक बार फिर विचार करें। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार विराट ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से कहा है कि वह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहते हैं। इसी को लेकर वह पिछले एक महीने से बीसीसीआई के साथ बातचीत भी कर रहे थे। कोहली यदि संन्यास लेते हैं, तो इसी के साथ ही उनका 14 साल का टेस्ट करियर समाप्त हो जाएगा। अपने करियर में उन्होंने 123 टेस्ट में 46.85 की औसत से 9,230 रन बनाए, जिसमें 30 शतक भी शामिल हैं। वह भारतीय टीम के सबसे सफल टेस्ट कप्तान भी रहे हैं, उन्होंने 68 टेस्ट में से 40 जीते हैं। वहीं हाल ही मैं कप्तान रोहित शर्मा ने भी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। ऐसे में बोर्ड भी चाहता है कि विराट जैसा अनुभवी खिलाड़ी टीम में बना रहे।

शुभमन बनाये जा सकते हैं भारतीय टीम के नए टेस्ट कप्तान, ऋषभ को मिल सकती है उपकप्तानी

मुम्बई।

युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे से भारतीय टेस्ट टीम का नया कप्तान बनाया जा सकता है जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को उपकप्तानी मिल सकती है। वहीं तेज गेंदबाज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को नया कप्तान बनाये जाने की संभावनाएं इसलिए नहीं हैं क्योंकि वह बार बार फिटनेस संबंधी समस्याओं से जूझते रहते हैं और भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीसी ऐसे व्यक्ति को कप्तान बनाना चाहता है जो लगातार खेल सके। इसके अलावा कप्तानी के लिए शुभमन इसलिए भी पहली पंसद माने जा रहे हैं क्योंकि वह युवा है और बीसीसीआई भविष्य को देखते हुए ही उन्हें ये जिम्मेदारी दे सकता है।

वहीं ऋषभ विदेशी हालातों में भारतीय टीम के सबसे अच्छे टेस्ट बल्लेबाजों में से एक हैं और इसलिए उपकप्तानी का उनका दावा मजबूत है। इसका कारण ये है कि बुमराह इतने अनुभवी हैं कि उन्हें उप-कप्तान की भूमिका देना ठीक नहीं रहेगा। ऋषभ ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में शतकों के साथ 42 से अधिक के औसत से इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने इन देशों में सात बार 90 से 99 रन बनाये हैं।

वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने टेस्ट से संन्यास लेने की इच्छा जतायी है हालांकि कोहली ने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है इसलिए कहा जा रहा है कि उन्हें इंग्लैंड में आगामी 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में खेलने के लिए कहा जाएगा क्योंकि कठिन हालातों में उनके जैसे अनुभव खिलाड़ी का होना लाभ दायक रहेगा।

ये भी कहा जा रहा है कि कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद बीसीसीआई ने इंग्लैंड सीरीज के लिए कोहली को कप्तान बनाने के बारे में सोचा था। जिससे शुभमन को कप्तानी की भूमिका में ढलने के लिए कुछ समय मिल जाता। बुमराह की फिटनेस समस्याओं के कारण शुभमन अगले कप्तान के तौर पर सभी की पहली पसंद हैं।

वहीं केएल राहुल की अम्र 33 से अधिक हो गयी है, ऐसे में वह कप्तानी और उपकप्तानी की दौड़ में शामिल नहीं हैं। इसके अलावा उनका एक दशक के टेस्ट कैरियर के बाद भी औसत 35 से कम का रहा है। प्रभावशाली नहीं है। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा मई के तीसरे हफ्ते के अंत में की जाएगी!

पंत की फॉर्म में गिरावट के पीछे खराब शॉट का चयन- सिद्धू

नई दिल्ली।

पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने ऋषभ पंत की फॉर्म में गिरावट के पीछे उनका खराब शॉट चयन, मानसिक दबाव और टीम की कमजोर स्थिति को जिम्मेदार ठहराया है। आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी संभाल रहे ऋषभ पंत के खराब प्रदर्शन पर पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। इस सीजन में पंत अपनी बल्लेबाजी से कोई खास असर नहीं छोड़ पाए हैं। वह लगातार फ्लॉप हो रहे हैं और टीम भी उनकी कप्तानी में जूझती नजर आ रही है। अब तक खेले गए 11 मुकाबलों में लखनऊ सुपर जायंट्स सिर्फ 5 मैच जीत सकी है और प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म होती जा रही हैं। ऐसे में एक और हार से टीम की पूरी उम्मीदें समाप्त हो सकती हैं। नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि ऋषभ पंत बार-बार गलत शॉट चयन के चलते आउट हो रहे हैं। उन्होंने कहा, आप हर बार मुश्किलों से बाहर नहीं निकल सकते। पंत पर अपनी छवि को बनाए रखने का दबाव है जो उनके प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है। यह मानसिक दबाव उनके चेहरे और खेल में साफ नजर आता है। वह कप्तान के रूप में कई बार संयम खो देते हैं जिससे विपक्षी टीम को फायदा मिलता है। सिद्धू ने आगे कहा कि पंत को महेंद्र सिंह धोनी से सीख लेनी चाहिए जो अपने शांत और संतुलित स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। सिद्धू ने सुझाव दिया कि पंत को अपनी सोच में बदलाव लाना चाहिए और क्रिकेट की मूलभूत बातों पर लौटना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि पंत को शॉट सिलेक्शन के मामले में बहुत सोच-समझकर फैसला लेना होगा। गौरतलब है कि लखनऊ सुपर जायंट्स ने मेगा नीलामी में ऋषभ पंत को 27 करोड़ रुपये में खरीदा था, जिससे वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए थे। लेकिन उनका प्रदर्शन अब तक उस कीमत के अनुरूप नहीं रहा है।

2027 डब्ल्यूटीसी फाइनल की मेजबानी करने प्रस्ताव पेश करेगा बीसीसीआई

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) साल 2025-2027 चक्र के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की मेजबानी करना चाहता है। बीसीसीआई इसको लेकर एक प्रस्ताव भी औपचारिक रूप से पेश करेगा। अब तक इंग्लैंड ने ने ही साल 2021 और 2023 में हैम्पशर और ओवल में डब्ल्यूटीसी खिताबी मुकाबलों की मेजबानी की है। पिछले महीने जिम्बाब्वे में आईसीसी की मुख्य कार्यकारी समिति के दौरान इस संबंध में चर्चा हुई थी जहां बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व आईपीएल के अध्यक्ष अरुण धूमल ने किया था।**अब इसी मामले में बीसीसीआई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के समक्ष प्रस्ताव भी रखेगा।** अगर भारत अगले डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचता है तो यह प्रशंसकों के लिए अपने देश में इसे देखने का एक अच्छा मौका होगा। पर अगर भारत फाइनल में नहीं खेलता है तो भी दो अन्य शीर्ष टीमों के बीच मैच भी प्रशंसकों को देखने मिलेगा।

यूएई-कतर मैच में सभी दस विकेट एक साथ गिरे

बैंकाक।

यहां संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर के बीच खेले गये महिला टी20 विश्व कप एशिया क्वालीफायर 2025 में सभी 10 विकेट एकसाथ गिरने से सभी हैरान हो गये। हुआ यूं कि यूएई ने कतर के खिलाफ मैच में अपनी पूरी टीम को रिटायर्ड आउट किया। इसके पीछे का कारण बारिश के खतरे को बताया गया है। इस मैच में यूएई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छी शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज तीर्था सतीश और कप्तान ईशा रोहित ओजा ने पहले विकेट के लिए 16 ओवर में 192 रन की साझेदारी की। जिसके बाद खराब मौसम को देखते हुए टीम ने सभी 10 खिलाड़ियों को रिटायर्ड आउट करार दे दिया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में पारी को घोषित करने का विकल्प नहीं हैं, ऐसे में सभी बल्लेबाजों ने पैड पहने और क्रीज में पहुंचने के बाद अपने को रिटायर्ड आउट करवाया। इसके बाद कतर की टीम 11.1 ओवर में 29 रन ही बना सकी। इस प्रकार यूएई की टीम ने 163 रनों से जीत हासिल की। कप्तान ईशान ने 55 गेंदों में 14 चौके और 5 छक्कों की मदद से 113 रन बनाए। वहीं सतीश ने 42 गेंद में 74 रन बनाए। ईशान ने एक ओवर में एक रन देकर एक विकेट भी लिया। वहीं स्पिनर मिचेल बोथा ने 4 ओवर में 11 रन देकर तीन विकेट चटकाए। केटी थॉम्पसन ने दो विकेट लिए, जबकि ईशा, हीना होतचंदानी, इंदुजा नंदकुमार और वैष्णव महेश

ने एक-एक विकेट लिया। इस जीत के साथ यूएई की टीम पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर पहुंच गई है।

मंधाना की रिकार्ड शतकीय पारी से भारतीय महिला टीम ने त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज जीती

श्रीलंका को फाइनल में 97 रनों से हराया

कोलंबो। अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के रिकार्ड शतक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज जीत ली है। भारतीय टीम ने रविवार को हुए फाइनल मुकाबले में श्रीलंकाई टीम को 97 रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय महिला टीम ने सात विकेट पर 342 रनों का विशाल स्कोर बनाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम केवल 245 रनों पर ही आउट हो गयी। इस मैच में मंधाना ने 101 गेंदों पर 15 चौके और दो छक्के लगाकर 116 रन की शानदार पारी खेली। पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी उन्होंने अर्धशतक लगाया था। उन्होंने श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापथु के खिलाफ लगातार चार चौके लगाकर एकदिवसीय करियर का 11वां शतक पूरा किया.

इस मैच में मंधाना ने एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम किये।

इसमें अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट के फाइनल में सबसे ज्यादा रन बनाने का भी रिकार्ड है। वहीं एकदिवसीय में वह सबसे ज्यादा चौके व छक्के लगाने वाली बल्लेबाज भी बनी हैं। इस मैच में सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल 30 के साथ मंधाना ने 89 गेंद में 70 रन की साझेदारी टूटने के बाद तेजी से रन बनाये। उन्होंने शानदार स्वीप शॉट लगाकर अपना अर्धशतक लगाया। मंधाना ने हरलीन देओल 47 रन के साथ साथ दूसरे विकेट के लिए 106 गेंद में 120 रन बनाये।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तिरुपति बालाजी मंत्र अत्यंत प्रभावशाली है

तिरुपति बालाजी का दिव्य-भव्य मंदिर आज भी दक्षिण भारतीय वास्तुकला और शिल्प का सर्वोत्तम उदाहरण है। भगवान तिरुपति बालाजी भगवान विष्णु का ही दूसरा रूप है। तिरुपति बालाजी मंत्र से भगवान बालाजी को प्रसन्न किया जाता है, उनके प्रति सम्मान और श्रद्धा प्रकट की जाती है। तिरुपति बालाजी मंत्र अत्यंत प्रभावशाली है.।

भगवान तिरुपति बालाजी मंत्र-

ऊँ श्री वेंकटेश्वराये नमो नमः.
श्रीमन नारायण नमो नमः.
तिरुमल तिरुपति नमो नमः.
जय बालाजी नमो नमः
ऊँ श्री वेंकटेश्वराये नमो नमः.
श्रीमन नारायण नमो नमः.
तिरुमल तिरुपति नमो नमः.
जय बालाजी नमो नमः.

- यह मंत्र एक शुद्ध ध्वनि कंपन है जो मन को मोह माया और भ्रम से बचाता है।
- इस जप मंत्र को निरंतर दोहराने की प्रक्रिया करने से यह जप मंत्र प्राण में ऊर्जा भर देता है।
- जब इस मंत्र का उच्चारण किया जाता है तो मन शांत होकर ध्यान मुद्रा में चला जाता है।
- उच्चारण के बिना मंत्रों की शक्ति कम हो जाती है और कामना पूर्ति या लक्ष्य प्राप्ति में उनका प्रभाव नहीं होता है।
- इस मंत्र को पढ़ने से खुशी मिलती है। ये मन की भावनाओं को पवित्र कर शरीर में ऊर्जा का प्रवाह करता है।
- यह मंत्र भय की भावनाओं को कम करता है। रचनात्मक प्रक्रिया को बढ़ाता है।
- शारीरिक दर्द और अवसाद को मन से दूर भगाता है।
- मन को शांत कर अच्छी नींद लाने में मदद करता है।
- इस मंत्र को हर रोज सुनने से आध्यात्मिक समृद्धि का अनुभव होता है।

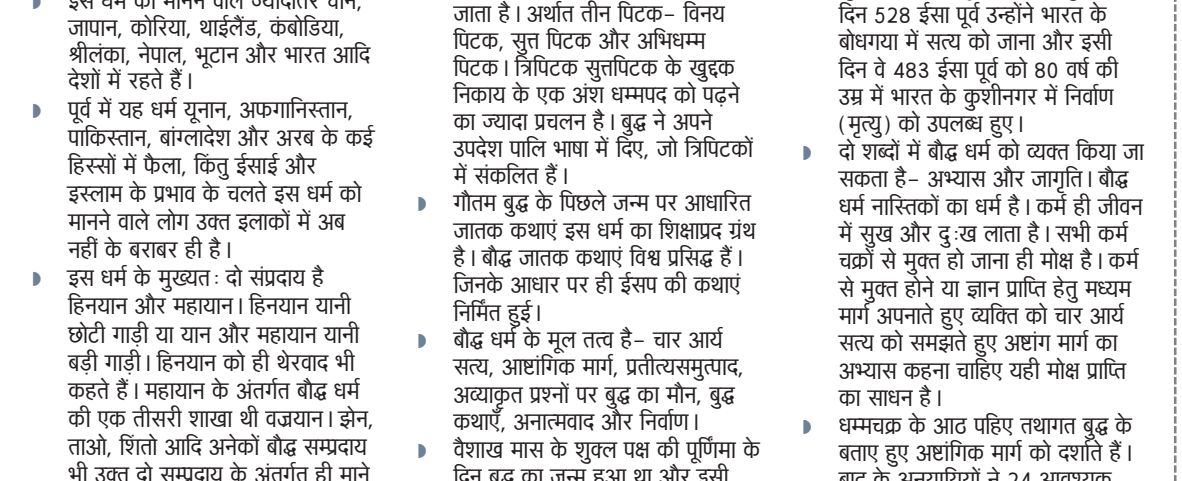

वैशाख पूर्णिमा को जन्मे थे महात्मा बुद्ध

वैशाख पूर्णिमा के दिन बुद्ध पूर्णिमा यानी बुद्ध जयंती मनाई जाएगी। गौतम बुद्ध ने ही बौद्ध धर्म की स्थापना की थी। वाराणसी के 10 किलोमीटर पूर्वोत्तर में स्थित सारनाथ में गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया। यहीं से उन्होंने धर्मचक्र प्रवर्तन प्रारंभ किया था। जानते हैं बौद्ध धर्म की खास बातें।

- ईसाई और इस्लाम धर्म से पूर्व बौद्ध धर्म की उत्पत्ति हुई थी। उक्त दोनों धर्म के बाद यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा धर्म है।
- इस धर्म को मानने वाले ज्यादातर चीन, जापान, कोरिया, थाईलैंड, कंबोडिया, श्रीलंका, नेपाल, भूटान और भारत आदि देशों में रहते हैं।
- पूर्व में यह धर्म यूनान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अरब के कई हिस्सों में फैला, किंतु ईसाई और इस्लाम के प्रभाव के चलते इस धर्म को मानने वाले लोग उक्त इलाकों में अब नहीं के बराबर ही है।
- इस धर्म के मुख्यतः दो संप्रदाय है हिनयान और महायान। हिनयान यानी छोटी गाड़ी या यान और महायान यानी बड़ी गाड़ी। हिनयान को ही थेरवाद भी कहते हैं। महायान के अंतर्गत बौद्ध धर्म की एक तीसरी शाखा थी वज्रयान। झेन, ताओ, शिंतो आदि अनेकों बौद्ध सम्प्रदाय भी उक्त दो सम्प्रदाय के अंतर्गत ही माने जाते हैं।
- बौद्ध धर्म के चार तीर्थ स्थल हैं- लुंबिनी, बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर। लुम्बिनी तीर्थ नेपाल में है। बोधगया भारत के बिहार में है। सारनाथ भारत के उत्तरप्रदेश में काशी के पास हैं। कुशीनगर उत्तरप्रदेश के गोरखपुर के पास का एक जिला है।
- बौद्ध धर्म के धर्मग्रंथ को त्रिपिटक कहा जाता है। अर्थात तीन पिटक- विनय पिटक, सुत्त पिटक और अभिधम्म पिटक। त्रिपिटक सुत्तपिटक के खुद्दक निकाय के एक अंश धम्मपद को पढ़ने का ज्यादा प्रचलन है। बुद्ध ने अपने उपदेश पालि भाषा में दिए, जो त्रिपिटकों में संकलित हैं।
- गौतम बुद्ध के पिछले जन्म पर आधारित जातक कथाएं इस धर्म का शिक्षाप्रद ग्रंथ है। बौद्ध जातक कथाएं विश्व प्रसिद्ध हैं। जिनके आधार पर ही ईसप की कथाएं निर्मित हुई।
- बौद्ध धर्म के मूल तत्व है- चार आर्य सत्य, आष्टांगिक मार्ग, प्रतीत्यसमुत्पाद, अव्याकृत प्रश्नों पर बुद्ध का मौन, बुद्ध कथाएँ, अनात्मवाद और निर्वाण।
- वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के दिन बुद्ध का जन्म हुआ था और इसी दिन उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ था तथा इसी दिन उन्होंने देह छोड़ दी थी अर्थात निर्वाण प्राप्त किया था इसलिए उक्त पूर्णिमा के दिन बुद्ध जयंती और निर्वाण दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा आषाढ़ की पूर्णिमा का दिन भी बौद्धों का प्रमुख त्योहार होता है। वैशाख माह की पूर्णिमा के दिन बुद्ध का जन्म नेपाल के लुम्बिनी में ईसा पूर्व 563 को हुआ। इसी दिन 528 ईसा पूर्व उन्होंने भारत के बोधगया में सत्य को जाना और इसी दिन वे 483 ईसा पूर्व को 80 वर्ष की उम्र में भारत के कुशीनगर में निर्वाण (मृत्यु) को उपलब्ध हुए।
- दो शब्दों में बौद्ध धर्म को व्यक्त किया जा सकता है- अभ्यास और जागृति। बौद्ध धर्म नास्तिकों का धर्म है। कर्म ही जीवन में सुख और दुःख लाता है। सभी कर्म चक्रों से मुक्त हो जाना ही मोक्ष है। कर्म से मुक्त होने या ज्ञान प्राप्ति हेतु मध्यम मार्ग अपनाते हुए व्यक्ति को चार आर्य सत्य को समझते हुए अष्टांग मार्ग का अभ्यास कहना चाहिए यही मोक्ष प्राप्ति का साधन है।
- धम्मचक्र के आठ पहिए तथागत बुद्ध के बताए हुए अष्टांगिक मार्ग को दर्शाते हैं। बाद के अनुयायियों ने 24 आवश्यक गुण निर्धारित किए जैसे धैर्य, श्रद्धा, आत्म नियंत्रण आदि, इन्हें भी बाद के धर्मचक्र में 24 आरियों के रूप में प्रतीक रूप दर्शाया जाने लगा। अशोक के प्रस्तर लेखों में भी धर्मचक्र है और अशोक स्तम्भ में यह चक्र 24 आरियों का है। इसे ही भारत के राष्ट्रीय ध्वज में अपनाया गया है।

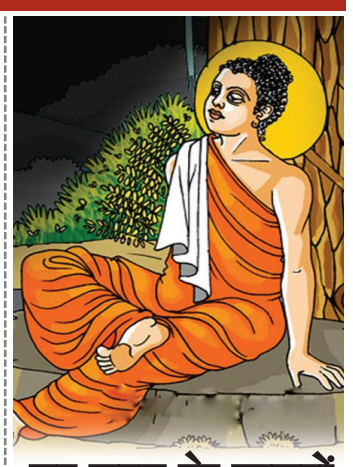

हर तरह के खतरों से सुरक्षित रखता है बौद्ध धर्म का चमत्कारी मंत्र

बौद्ध धर्म का एक विशेष मंत्र है, जो षडाक्षरीय मंत्र के नाम से प्रचलित हैं। यह चमत्कारी मंत्र सभी प्रकार के खतरों से सुरक्षा के लिए जपा जाता है। यह एक ऐसा चमत्कारिक मंत्र हैं, जो मनुष्य को जीवन में आने वाले हर परेशानी में सुरक्षित रखता है तथा संकट से पार लगा देता है। इस षडाक्षरीय मंत्र का उल्लेख अवलोकितेश्वरा में किया गया है।

बौद्ध धर्म का बीज मंत्र - 'ओम मणि पदमे हूम'

- इस मंत्र का जप बौद्ध धर्म की महायान शाखा में प्रमुख रूप से किया जाता है।
- यह मंत्र अक्सर प्रार्थना चक्र, स्तूपों की दीवार, धर्म स्थानों के पत्थरों, मणियों आदि में खुदा हुआ या चित्रित रूप में मिल जाता है।
- जिस प्रार्थना चक्र पर यह मंत्र खुदा होता है उसको 1 बार घुमाने पर माना जाता है कि उसने इस मंत्र को 10 लाख बार जपा है।
- यह मंत्र अंगूठी या अन्य आभूषणों में भी मुद्रित रहता है।
- बताया जाता है कि जो कोई इस मंत्र को जपता है, वह सब खतरों से सुरक्षित हो जाता है।

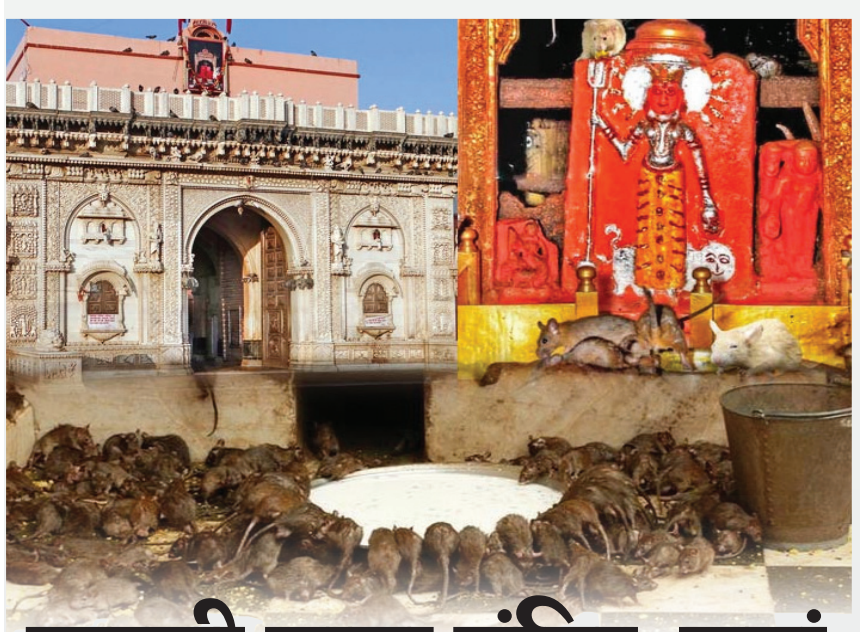

करणी माता मंदिर, जहां होती है चूहों की पूजा

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार हिन्दू धर्म में 33 करोड़ देवी-देवता माने गए है, जिनका पूजन भक्तों द्वारा अपने अपने ढंग से किया जाता है। हिन्दू धर्म में हवा, पृथ्वी, जल, पशु-पक्षी आदि को भी भगवान के रूप में पूजा जाता है तथा इनके मंदिरों के बारे में भी आपने कई बार सुना होगा। एक ऐसा ही मंदिर है - बीकानेर राजस्थान में, जो इन दिनों काफी चर्चा में है। ये है देशनोक का करणी माता मंदिर, जो दुनियाभर में 'चूहों के एकमात्र मंदिर' के नाम से भी प्रसिद्द है।

यह मंदिर उन 20 हजार काले और कुछ सफेद चूहों के लिए प्रसिद्ध है, जो इसी मंदिर में रहते है और पूजनीय है। यहां चूहों को पवित्र माना जाता है और इन्हें ''कब्बा'' कहा जाता है। बहुत से लोग दूर-दूर से इस मंदिर में चूहों के प्रति सम्मान व्यक्त करने और अपनी इच्छाओं को वास्तविकता के रूप में प्राप्त करने के लिए आते हैं। इसे 19वी शताब्दी में महाराजा गंगा सिंह द्वारा बनवाया गया था। मुगल शैली में डिजाइन किए गए इस मंदिर को बनाने में संगमरमर के पत्थरों का उपयोग किया गया है।

इस मंदिर का मुख्य द्वार ठोस चांदी से बना हुआ है। मंदिर के भीतर भी अन्य कई चांदी के दरवाजे स्थित है, जिनपर इस मंदिर के इतिहास से जुड़ी कलाकृतियां अंकित है। देवी का मंदिर आतंरिक गर्भगृह में है। साल 1999 में हैदराबाद के जौहरी कुन्दलाल वर्मा के सहयोग से इस मंदिर को और अधिक सजाया गया तथा संगमरमर की नक्काशी और चांदी के चूहे भी उनके द्वारा मंदिर को दान किए गए।

क्या है मंदिर की रोचक कहानी?

स्थानीय लोककथाओं के अनुसार , एक बार 20 हजार सैनिकों की फौज किसी युद्ध से पीठ दिखाकर देशनोक गांव भाग आई। जब करणी माता को इस बात का पता चला कि ये सैनिक युद्ध में पीठ दिखाकर यहां आए हैं, तो माता ने उन सभी सैनिकों को दण्डस्वरुप चूहों में बदल दिया। सैनिकों ने भी बदले में कृतज्ञता व्यक्त की और देवी से हमेशा उनकी सेवा करने का वादा किया। आपको सभी चूहों में से कुछ सफेद चूहे भी मिल सकते हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि वे स्वयं करणी माता और उनके चार पुत्र हैं।

एक अन्य किंवदंती कहती है कि एक बार करणी माता का सौतेला पुत्र लक्ष्मण पानी पीने के दौरान कोलायत तहसील के कपिल सरोवर नामक तालाब में डूब गए थे। माता ने मृत्यु के देवता यम से उन्हें जीवनदान देने के लिए प्रार्थना की, जिसे यम ने पहले मना कर दिया और बाद में लक्ष्मण और माता के सभी नर बच्चों को चूहों के रूप में पुनर्जन्म की अनुमति दी। मंदिर का निर्माण 20 वीं शताब्दी की शुरुआत में पूरा हुआ था। यह मंदिर इसकी पौराणिक और लोककथाओं के लिए बहुत प्रसिद्ध है। मंदिर को उच्च आस्था का स्थान भी माना जाता है जहां लोग देवी का आशीर्वाद लेने आते हैं। यह भी माना जाता है कि अगर किसी चूहे को मार दिया जाए तो उसे चांदी के चूहे से बदल दिया जाना चाहिए।

महात्मा बुद्ध से जुड़ी बड़ी जानकारियां

भगवान बुद्ध का जन्म वैशाख माह की पूर्णिमा के दिन हुआ था। इस बार अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 12 मई 2025 को गौतम बुद्ध की जयंती मनाई जाएगी।

गौतम बुद्ध का जन्म स्थान : गौतम बुद्ध का जन्म ईसा से 563 साल पहले नेपाल के तराई क्षेत्र में कपिलवस्तु और देवदह के बीच नौतनवा स्टेशन से 8 मील दूर पश्चिम में रुक्मिनदेई नामक स्थान है, जहां एक लुम्बिनी नाम का वन था। वहां उनका जन्म हुआ था। दरअसल, कपिलवस्तु की महारानी महामाया देवी अपने नैहर देवदह जा रही थीं, तो रास्ते में लुम्बिनी वन में ही उन्होंने बुद्ध को जन्म दिया। गौतम बुद्ध का जन्म नाम सिद्धार्थ था। उनके पिता का नाम शुद्धोदन था। सिद्धार्थ के पिता शुद्धोदन कपिलवस्तु के राजा थे और उनका सम्मान नेपाल ही नहीं समूचे भारत में था। सिद्धार्थ ने गुरु विश्वामित्र के पास वेद और उपनिषद् तो पढ़े ही, राजकाज और युद्ध-विद्या की भी शिक्षा ली। कुश्ती, घुड़दौड़, तीर-कमान, रथ हांकने में कोई उसकी बराबरी नहीं कर पाता था।

पत्नि यशोधरा और पुत्र राहुल : गौतम बुद्ध शाक्यवंशी छत्रिय थे। शाक्य वंश में जन्मे सिद्धार्थ का सोलह वर्ष की उम्र में दंडपाणि शाक्य की कन्या यशोधरा के साथ विवाह हुआ। यशोधरा से उनको एक पुत्र मिला जिसका नाम राहुल रखा गया। बाद में यशोधरा और राहुल दोनों बुद्ध के भिक्षु हो गए थे।

भविष्यवाणी : बुद्ध के जन्म के बाद एक भविष्यवक्ता ने राजा शुद्धोदन से कहा था कि यह बालक चक्रवर्ती सम्राट बनेगा, लेकिन यदि वैराग्य भाव उत्पन्न हो गया तो इसे बुद्ध होने से कोई नहीं रोक सकता और इसकी ख्याति समूचे संसार में अनंतकाल तक कायम रहेगी। राजा शुद्धोदन सिद्धार्थ को चक्रवर्ती सम्राट बनते देखना चाहते थे इसीलिए उन्होंने सिद्धार्थ के आस-पास भोग-विलास का भरपूर प्रबंध कर दिया ताकि किसी भी प्रकार से वैराग्य उत्पन्न न हो। बस यही गलती शुद्धोदन ने कर दी और सिद्धार्थ के मन में वैराग्य उत्पन्न हो गया।

शाक्य संघ से मतभेद : जनश्रुति मान्यता अनुसार एक बार वे शाक्यों के संघ में सम्मलित होने गए। वहां उनका विचारिक मतभेद हो गया। मन में वैराग्य भाव तो था ही, इसके अलावा क्षत्रिय शाक्य संघ से वैचारिक मतभेद के चलते संघ ने उनके समक्ष दो प्रस्ताव रखे थे। वह यह कि फांसी चाहते हो या कि देश छोड़कर जाना। सिद्धार्थ ने कहा कि जो आप दंड देना चाहें। शाक्यों के सेनापति ने सोचा कि दोनों ही स्थिति में कौशल नरेश को सिद्धार्थ से हुए विवाद का पता चल जाएगा और हमें दंड भुगतना होगा तब सिद्धार्थ ने कहा कि आप निश्चिंत रहें, मैं संन्यास लेकिन चुपचाप ही देश से दूर चला जाऊंगा। आपकी इच्छा भी पूरी होगी और मेरी भी।

गृहत्याग : आधी रात को सिद्धार्थ अपना महल त्यागकर 30 योजन दूर गोरखपुर के पास अमोना नदी के तट पर जा पहुंचे। वहां उन्होंने अपने राजसी वस्त्र उतारे और केश काटकर खुद को संन्यस्त कर दिया। उस वक्त उनकी आयु थी 29 वर्ष।

तपस्या : ज्ञान की तलाश में सिद्धार्थ घूमते-घूमते अलारा कलम और उद्दाका रामापुत के पास पहुंचे। उनसे उन्होंने योग-साधना सीखी। कई माह तक योग करने के बाद भी जब ज्ञान की प्राप्ति नहीं हुई तो उन्होंने उरुवेला पहुंच कर वहां घोर तपस्या की।

बोधिवृक्ष : सुजाता नाम की एक महिला ने वटवृक्ष से मन्नत माँगी थी कि मुझको यदि पुत्र हुआ तो खीर का भोग लगाऊँगी। उसकी मन्नत पूरी हो गई तब वह सोने की थाल में गाय के दूध की खीर लेकर वटवृक्ष के पास पहुँची और देखा की सिद्धार्थ उस वट के नीचे बैठे तपस्या कर रहे हैं। सुजाता ने इसे अपना भाग्य समझा और सोचा कि वटदेवता साक्षात हैं तो सुजाता ने बड़े ही आदर-सत्कार के साथ सिद्धार्थ को खीर भेंट की और कहा 'जैसे मेरी मनोकामना पूरी हुई है यदि तुम भी किसी मनोकामना से यहाँ बैठे हो तो तुम्हारी मनोकामना भी पूर्ण होगी।'

ज्ञान प्राप्ति : छः साल बीत गए तपस्या करते हुए। सिद्धार्थ की तपस्या सफल नहीं हुई। तब एक दिन कुछ स्त्रियां किसी नगर से लौटती हुई वहां से निकलीं, जहां सिद्धार्थ तपस्या कर रहे थे। उनका एक गीत सिद्धार्थ के कान में पड़ा- 'वीणा के तारों को ढीला मत छोड़ दो। ढीला छोड़ देने से उनका सुरीला स्वर नहीं निकलेगा। पर तारों को इतना कसो भी मत कि वे टूट जाएं।' बात सिद्धार्थ को जंच गई। वह मान गए कि नियमित आहार-विहार से ही योग सिद्ध होता है। अति किसी बात की अच्छी नहीं। किसी भी प्राप्ति के लिए मध्यम मार्ग ही ठीक होता है। बस फिर क्या था कुछ ही समय बाद ज्ञान प्राप्त हो गया। बोधी प्राप्ति की घटना ईसा से 528 वर्ष पूर्व की पूर्णिमा के दिन की है जब सिद्धार्थ 35 वर्ष के थे। भारत के बिहार में बोधगया में आज भी वह वटवृक्ष विद्यमान है जिसे अब बोधीवृक्ष कहा जाता है। सम्राट अशोक इस वृक्ष की एक शाखा श्रीलंका ले गए थे, वहां भी यह वृक्ष है।

उपदेश : वाराणसी के 10 किलोमीटर पूर्वोत्तर में स्थित सारनाथ में गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया। यहीं से उन्होंने धर्मचक्र प्रवर्तन प्रारंभ किया था। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव सुनाने के साथ ही चार आर्य सत्य और आष्टांगिक मार्ग के सिद्धांत को प्रतिपादित किया।

बौद्ध धर्म के पहले अनुयायी : वाराणसी के निकट सारनाथ में महात्मा बुद्द ने अपना पहला उपदेश पांच पंडितों, साधुओं को दिया, जो बौद्ध परंपरा में धर्मचक्रप्रवर्तन के नाम से विख्यात हैं। महात्मा बुद्ध ने तपस्स एवं मल्लक नाम के दो लोगों को बौद्ध धर्म का सर्वप्रथम अनुयायी बनाया, जिन्हें शूद्र माना जाता था। बौद्ध धर्म ने वर्ण व्यवस्था एवं जाति प्रथा का विरोध करता है।

प्रमुख शिष्य : गौतम बुद्ध के प्रमुख शिष्यों में आनंद, अनिरुद्ध, महाकश्यप, रानी खेमा (महिला), महाप्रजापति (महिला), भद्रिका, भृगु, किम्बाल, देवदत्त, उपाली आदि का नाम लिया जाता है।

पूर्व जन्म का ज्ञान : गौतम बुद्ध को अपने कई जन्मों की स्मृतियां थीं और यह भी वे अपने भिक्षुओं के भी कई जन्मों को जानते थे। यही नहीं वे अपने आसपास के पशु, पक्षी और पेड़-पौधे आदि के पूर्वजन्मों के बारे में भी भिक्षुओं को बता देते थे। जातक कथाओं में बुद्ध के लगभग 549 पूर्व जन्मों का वर्णन है।

देह के लिए झगड़ा : कहते हैं कि उनके अवशेषों पर मगध के राजा अजातशत्रु, कपिलवस्तु के शाक्यों और वैशाली के विच्छवियों आदि में भयंकर झगड़ा हुआ। जब झगड़ा शांत नहीं हुआ तो द्रोण नामक ब्राह्मण ने समझौता कराया कि अवशेष आठ भागों में बांट लिए जाएं। ऐसा ही हुआ। आठ स्तूप आठ राज्यों में बनाकर अवशेष रखे गये। बताया जाता है कि बाद में अशोक ने उन्हें निकलवा कर 84000 स्तूपों में बांट दिया था। गौतम बुद्ध के अस्थि अवशेषो पर भट्टि (दभारत) में निर्मित प्रचीनतम स्तूप को महास्तूप की संज्ञा दी गई है।

अंतिम संदेश : कहते हैं कि भगवान बुद्ध ने एक वृक्ष के नीचे लेटकर अपने शिष्यों से पूछा कि अंतिम बार कुछ पूछना चाहते हो तो पूछें। अंत में भगवान बुद्ध ने कहा, 'हे भिक्षुओं, इस समय आज तुमसे इतना ही कहता हूंकि जितने भी संस्कार हैं, सब नाश होने वाले हैं, प्रमाद रहित हो कर अपना कल्याण करो। अप्प दीपो भवः। ऐसा कहते हुए देह को त्याग दिया। 483 ईसा पूर्व को 80 वर्ष की उम्र में पर्णिमा के दिन उन्होंने देह छोड़ी।

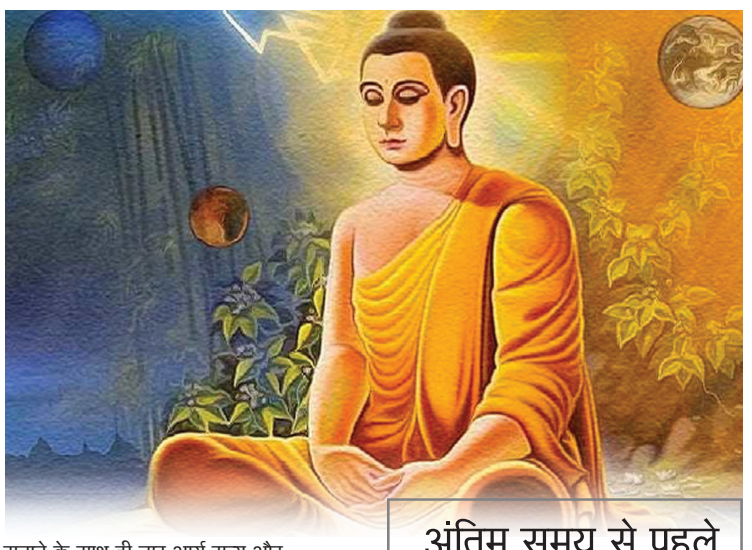

अंतिम समय से पहले

बुद्ध ने कहा, 'मेरा जन्म दो शाल वृक्षों के मध्य हुआ था, अतः अन्त भी दो शाल वृक्षों के बीच में ही होगा। अब मेरा अंतिम समय आ गया है।' आनंद को बहुत दुःख हुआ। वे रोने लगे। बुद्ध को पता लगा तो उन्होंने उन्हें बुलवाया और कहा, 'मैंने तुमसे पहले ही कहा था कि जो चीज उत्पन्न हुई है, वह मरती है। निर्वाण अनिवार्य और स्वाभाविक है। अतः रोते क्यों हो? बुद्ध ने आनंद से कहा कि मेरे मरने के बाद मुझे गुरु मानकर मत चलना।

जन्म, निर्वाण और मृत्यु का एक ही समय

बुद्ध ने अपने जन्म, संबोधि, निर्वाण और महापरिनिर्वाण में सभी समय का गजब तालमेल रखा। वैशाख पूर्णिमा के दिन नेपाल के लुम्बिनी वन में एक वृक्ष के नीचे बुद्ध का जन्म हुआ। इसी दिन उन्होंने बोधगया में एक वृक्ष के नीचे जाना कि सत्य क्या है और इसी दिन 80 वर्ष की उम्र में कुशीनगर में दो वृक्षों ने नीचे अलविदा कह गए।

6 दिन तक देह रही सुरक्षित

कहते हैं कि गौतम बुद्ध ने जब देह त्याग दी तक उनके जाने पर 6 दिनों तक लोग उनकी देह के दर्शनों के लिए आते रहे। सातवें दिन देह को जलाया गया।

आठ स्तूप

तथागत के निर्वाण के पश्चात उनके शरीर के अवशेष (अस्थियाँ) आठ भागों में विभाजित हुए और उन पर आठ स्थानों में आठ स्तूप बनाए गए हैं। आठ मुख्य स्तूप- कुशीनगर, पावागढ़, वैशाली, कपिलवस्तु, रामग्राम, अल्लकल्प, राजगृह तथा बेटद्वीप में बने। पिप्पलीय वन में अंगार स्तूप बना। कुम्भ स्तूप भी संभवतः कुशीनगर के पास ही बना। इन स्थानों में कुशीनगर, पावागढ़, राजगृह, बेटद्वीप (बेट-द्वारका) प्रसिद्ध हैं। पिप्पलीय वन, अल्लकल्प, रामग्राम का पता नहीं है। कपिलवस्तु तथा वैशाली भी प्रसिद्ध स्थान हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान से तनाव के बीच पीएम मोदी की उच्चस्तरीय बैठक, तीनों सेनाओं के प्रमुख रहे शामिल

नई दिल्ली।

पाकिस्तान के साथ सीमा पर बढ़ते तनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार सुबह 11 बजे अपने आवास पर एक अहम उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान तथा थल, जल और वायु सेना के प्रमुख मौजूद रहे। बैठक में देश की सुरक्षा स्थिति और सीमाओं पर मौजूदा हालात की समीक्षा की गई। यह बैठक उस समय हुई जबकि शनिवार को हुए सीजफायर के चंद घंटों बाद ही पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम उल्लंघन की खबरें भी सामने आई थीं। शनिवार को सीमा पार से गोलाबारी की घटनाएं सामने आई थीं, हालांकि रात में स्थिति शांत रही। यह अहम बैठक पाकिस्तान के साथ सीमा पर तनावपूर्ण शांति के बीच हुई, जिसके बीच फिलहाल संघर्ष विराम के उल्लंघन की कोई नई घटना सामने नहीं आई है। इससे पहले भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया है कि किसी भी प्रकार के उल्लंघन का सख्त जवाब दिया जाएगा। भारत ने अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों की गतिविधियों को गंभीरता से लेते हुए, उन पर प्रभावी कार्रवाई की है। श्रीनगर, गुजरात और राजस्थान के बाड़मेर क्षेत्र में पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधियों के बाद सतर्कता और कड़ी कर दी गई है। कई सीमावर्ती क्षेत्रों में ब्लैकआउट की स्थिति भी उत्पन्न हुई। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शनिवार रात प्रेस वार्ता में बताया कि भारत ने पाकिस्तान से इन उल्लंघनों को रोकने की अपील की है और सख्त लहजे में कहा है कि सशस्त्र बलों को पूरी छूट दी गई है कि वे किसी भी प्रकार के अतिक्रमण या हमले का कड़ा जवाब दें। इस बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी संघर्ष विराम को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई है और कहा है कि पाकिस्तान क्षेत्रीय स्थिरता, शांति और समृद्धि के पक्ष में है। हालांकि, भारत ने साफ किया है कि आतंकवाद और सीमा उल्लंघन के खिलाफ उसकी नीति स्पष्ट और अडिग है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को संघर्ष विराम की घोषणा सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए की थी। इसके

साथ ही भारत सरकार की ओर से भी कहा गया कि भारत और पाकिस्तान ने गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बना ली है। इसी बीच, विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट किया था कि भारत आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ दृढ़ और अडिग रुख बनाए रखेगा।

अब यदि ऐसी स्थिति में भारत पर कोई भी किसी तरह का हमला होता है तो वह सहन करने लायक नहीं होगा और इसे युद्ध ही समझा जाएगा।

पाक ड्रोन को सेना ने मार गिराया, मलबा की चपेट में आने से एक जवान शहीद

उधमपुर एयरबेस पर तैनात था जवान, राजस्थान सीएम ने जताया दुख

उधमपुर।

सीजफायर के बाद भी पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों नहीं छोड़ रहा है। पाकिस्तानी सेना ने सीजफायर समझौते के कुछ घंटे बाद भी फायरिंग और ड्रोन से हमले किए जिसे भारत ने नाकाम कर दिए। उधमपुर एयरबेस पर भी पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन अटैक का प्रयास किया गया। ड्रोन को सुरक्षाबलों ने मार गिराया, लेकिन ड्रोन के मलबे की चोट से एक जवान की जान चली गई। जानकारी के मुताबिक जवान उधमपुर एयरबेस पर तैनात था। भारतीय सेना ने ड्रोन को तुरंत पहचान लिया और आसमान में ही ध्वस्त कर दिया। वहीं जवान आसमान से गिरते मलबे की चपेट में आ गया और शहीद हो गया। राजस्थान के सीएम भजनलाल ने भी शहीद को श्रद्धांजलि दी है और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। भजनलाल ने कहा कि हमें जानकारी मिली कि झुंझुनू के रहने वाले सुरेंद्र सिंह मोगा के पुत्र उधमपुर में ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए हैं। हम उनके परिवार के साथ हैं। कश्मीर घाटी में शनिवार रात सामान्य स्थिति दिखी और यह पिछले छह दिन में पहली ऐसी रात रही जब विमानों, मिसाइल और ड्रोन के उड़ने की आवाज नहीं सुनाई दीं। अधिकारियों ने कहा कि शनिवार रात 11 बजे के बाद कश्मीर में एलओसी के पास किसी भी सेक्टर से संघर्ष विराम उल्लंघन की कोई सूचना नहीं है। रावलपोरा निवासी ने कहा कि हम लोग चैन की नींद नहीं सो पाए हैं। हम ऊपर वाले और उन सभी लोगों के आभारी हैं जिन्होंने युद्ध को समाप्त करने में भूमिका निभाई। सीमावर्ती क्षेत्रों से अपेक्षाकृत सुरक्षित क्षेत्रों में गए बड़ी संख्या में लोग अपने घर लौटने से पहले अभी कुछ दिन इंतजार करना चाहते हैं। उरी निवासी ने कहा कि हमने संघर्ष विराम की घोषणा के बाद भी कल रात ड्रोन और रॉकेट उड़ते देखे। हम प्रार्थना कर रहे हैं कि यह संघर्ष विराम स्थायी हो लेकिन हम कुछ दिन इंतजार करना चाहते हैं।

आपरेशन सिंदूर की प्रशंसा करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ बोले- भारत की धमक रावलपिंडी तक पहुंची, सेना ने दिया आतंकवाद को करारा जवाब

नई दिल्ली।

भारतीय सेना द्वारा हाल ही में अंजाम दिए गए ऑपरेशन सिंदूर की देशभर में सराहना हो रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी रविवार को एक बयान जारी करते हुए इस सैन्य कार्रवाई को भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और रणनीतिक परिपक्वता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक सैन्य ऑपरेशन नहीं, बल्कि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक संकल्प शक्ति का प्रदर्शन है। राजनाथ सिंह ने कहा, कि जिन भारत विरोधी और आतंकी संगठनों ने भारत माता के मस्तक को छलनी किया और अनेक परिवारों का सिंदूर मिटा दिया, उन्हें हमारी सेना ने करारा जवाब दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने यह सिद्ध किया है कि अब आतंकवादियों के लिए सरहद पार भी कोई सुरक्षित पनाहगाह नहीं रही। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भारतीय सेना ने इस ऑपरेशन के दौरान केवल आतंकवादी ठिकानों को ही निशाना बनाया, जबकि पाकिस्तान ने जवाबी हमले में नागरिक इलाकों, धार्मिक स्थलों तक को नहीं बख्शा। रक्षा मंत्री ने सेना की संयम और साहस के साथ की गई कार्रवाई की भी सराहना की और बताया कि सेना की गूंज रावलपिंडी तक सुनाई दी, जहां पाकिस्तानी सेना का मुख्यालय स्थित है। राजनाथ सिंह ने आगे कहा, कि भारत ने पहले उरी के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा के बाद बालाकोट एयरस्ट्राइक और अब पहलगाम की घटना के बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से यह स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति 'जीरो टॉलरेंस' की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब नई रणनीति और निर्णायक सोच के साथ आगे बढ़ रहा है।

दिल्ली में विमानों का परिचालन सामान्य, बदलते परिदृश्य से कुछ उड़ानों पर असर

यात्रियों की सुरक्षा जांच प्रक्रिया में पहले से ज्यादा लग सकता है समय

नई दिल्ली।

दिल्ली एयरपोर्ट पर रविवार को विमानों का परिचालन सामान्य नजर आया, लेकिन हवाई क्षेत्र के बदलते परिदृश्य के चलते कुछ उड़ानों पर असर पड़ सकता है और सुरक्षा बढ़ाए जाने से सुरक्षा जांच प्रक्रिया में पहले से ज्यादा समय लग सकता है।

यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट में एयरपोर्ट के अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई थी, जो अभी भी लागू है।

भारत और पाकिस्तान ने शनिवार को जमीन, हवा और समुद्र पर सभी प्रकार की गोलेबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने एक्स पर पोस्ट करके कहा कि दिल्ली अड्डे पर विमानों का परिचालन सामान्य रूप से जारी है। हालांकि, हवाई क्षेत्र के बदलते परिदृश्य और सुरक्षा बढ़ाये जाने के कारण कुछ उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं और सुरक्षा जांच में पहले की तुलना में ज्यादा समय लग सकता है। डीआईएएल दिल्ली में स्थित देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन करता है। डीआईएएल ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे सुरक्षा जांच के लिए अतिरिक्त समय लेकर चलें और सुचारू सुविधा के लिए विमानन कंपनी और सुरक्षाकर्मियों के साथ सहयोग करें।

उसकी फितरत है मुकर जाने की, उसके वादे पे यकीं कैसे करूं?

सीजफायर को लेकर शशि थरूर ने शायराना अंदाज में पाक पर बोला हमला

नई दिल्ली।

भारत-पाकिस्तान के बीच शनिवार को सीजफायर का ऐलान किया गया, लेकिन इसके करीब 3 घंटे बाद ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया और भारत में कई जगहों पर ड्रोन हमला करने की कोशिश की। पाकिस्तान की इस हरकत पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सायराना अंदाज में सोशल मीडिया एक्स पर एक ट्वीट किया। थरूर ने एक्स पर लिखा- उसकी फितरत है मुकर जाने की, उसके वादे पे यकीं कैसे करूं? इससे पहले सीजफायर समझौते पर उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है। शांति सबसे ज्यादा जरूरी है। भारत कभी भी एक लंबे युद्ध के पक्ष में नहीं था, लेकिन भारत आतंकवादियों को एक कड़ा सबक सिखाना चाहता था और भारत ने सभी आतंकवादियों को सबक सीखा दिया है।

शनिवार शाम को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष पर रोक लगाने के समझौते पर ट्वीट किया। ट्रंप के ट्वीट के बाद विदेश मंत्रालय से भी बयान आया कि पाकिस्तान के कहने पर भारत संघर्ष आगे न बढ़ाने के समझौते पर राजी हो गया है। इसके बाद लगने लगा कि पाकिस्तान हमले बंद कर देगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। पाकिस्तान ने चंद घंटे में ही समझौते को तोड़ दिया और भारत पर ड्रोन से अटैक करने लगा, जिसका भारत ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया और ड्रोन को मार गिराया। बता दें पहलगाम हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत जवाबी कार्रवाई की और पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इससे बौखलाए पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन और मिसाइलों से अटैक किया, लेकिन भारत ने उसके मनसूबों को कामयाब नहीं होने दिया।

संघर्ष बढ़ता देख अमेरिका ने दोनों देशों के बीच शांति बहाल करने की कोशिश की, जिसके बाद शनिवार को सीजफायर समझौता किया गया, जिसका पाकिस्तान ने उल्लंघन किया।

लावारिस खड़ी पिकअप से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद

पिकअप मालिक और चालक की पुलिस कर रही तलाश, जांच जारी

जयपुर।

जयपुर में एक लावारिस खड़ी पिकअप से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है। पुलिस ने शुक्रवार देर रात मोहनपुरा पुलिया के पास कुल 2075 किलो विस्फोटक बरामद किया। पुलिस ने इसकी जानकारी पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन को दे दी है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जा रही। पिकअप मालिक या चालक का पुलिस अभी तक पता नहीं लगा सकी है। डीओ एएसआई ने बस्सी थाने में इस विस्फोटक सामग्री की एफआईआर दर्ज कराई हैं। रिपोर्ट में बताया गया है वह शुक्रवार रात गश्त पर थे। इस दौरान रात 2.30 बजे हेड कॉन्स्टेबल का फोन आया। उसने बताया कि मोहनपुरा पुलिया के पास दोसा से जयपुर की तरफ आगरा रोड पर अंशिका चाय की दुकान के सामने एक लावारिस पिकअप खड़ी है। इसमें कुछ कार्टन रखे हैं जो संदिग्ध मालूम हो रहे हैं। गाड़ी का चालक भी नहीं है। सूचना पर टीम मौके पर पहुंची। पिकअप की जांच की गई तो कार्टन पर ऑप्टिस्टार एक्सप्लोसिव लिखा हुआ था। नीचे सफेद कट्टों में अमोनियम नाईट्रेट लिखा हुआ था। गाड़ी में कुल 63 कार्टन और 10 प्लास्टिक के कट्टे मिले। 63 कार्टन पर शुद्ध वजन 25 किलो और 10 प्लास्टिक के कट्टों पर 50 किलो लिखा था। इनमें सफेद

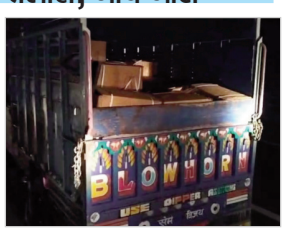

दाने नुमा पदार्थ था। चालक की तलाश की गई, लेकिन उसका पता नहीं चला। पिकअप नम्बर के आधार पर वाहन मालिक का पता ईश्वर सिंह पुत्र अर्जुन सिंह रावत निवासी शिवपुर नरेली मांडल भीलवाड़ा के रूप में सामने आया है। पिकअप मालिक से भी कोई सम्पर्क नहीं हुआ है। पिकअप का स्टेयरिंग लॉक था, इस पर क्रेन की सहायता से पिकअप को मौके से हटाया गया।

सरकार ने सीमित सैन्य कार्रवाई का रास्ता चुनकर एक बड़ा युद्ध टाला

चिदंबरम ने भारत के पाकिस्तान को दिए जवाब को बताया बुद्धिमत्तापूर्ण

नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत द्वारा पाकिस्तान को दिए गए जवाब को 'बुद्धिमत्तापूर्ण और संतुलित' बताया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश में बदला लेने की आवाजें तेज हुई थीं, लेकिन सरकार ने सीमित सैन्य कार्रवाई का रास्ता चुनकर एक बड़ा युद्ध टाल दिया है।

उन्होंने कहा कि भारत की सैन्य कार्रवाई सीमित और सुनियोजित थी, जिसका उद्देश्य आतंकी संगठनों की बुनियादी ढांचे को नष्ट करना था। चिदंबरम ने एक समाचार पत्र के कॉलम में इस कार्रवाई को पीएम मोदी का समझदारी भरा कदम बताया, क्योंकि इससे भारत ने पूर्ण युद्ध की स्थिति को टालते हुए वैश्विक स्थिरता को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के 2022 में रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहे गए शब्द- 'यह युद्ध का युग नहीं है' आज भी दुनिया को याद हैं। यही वजह है कि कई देशों ने भारत को निजी तौर पर युद्ध न करने की सलाह दी थी।

उन्होंने यह भी साफ कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं और पूर्ण युद्ध न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक अस्थिरता पैदा कर सकता था। उन्होंने रूस-यूक्रेन और इज़राइल-गाजा संघर्षों का उदाहरण देते हुए कहा कि अब दुनिया युद्ध को बर्दाश्त नहीं कर सकती। चिदंबरम ने सरकार की सैन्य कार्रवाई को 'वैध और लक्ष्य केंद्रित' बताया, जिसमें पाकिस्तान और पीआके के नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए गए। उन्होंने सराहना की कि भारत ने नागरिक इलाकों या पाकिस्तानी सेना पर सीधा हमला नहीं किया। चिदंबरम ने कहा कि पाकिस्तान ने विमान मार गिराने के बारे में व्यर्थ दावे किए लेकिन पाकिस्तान के रक्षा मंत्री इसके समर्थन में कोई सबूत नहीं दे पाए।

हालांकि, चिदंबरम ने आगाह किया कि यह मान लेना जल्दबाज़ी होगी कि लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और द रेज़िस्टेंस फ्रंट जैसे आतंकी समूह पूरी तरह खत्म हो गए हैं।

उनके मुताबिक इन संगठनों के पास नया नेतृत्व उभरने की क्षमता है और आईएसआई का समर्थन अभी भी उन्हें मिल रहा है। उन्होंने सरकार की पारदर्शिता की तारीफ करते हुए कहा कि मीडिया ब्रीफिंग में महिला सैन्य अधिकारी सोफिया कुरैशी और सिंह को सामने लाना एक 'स्मार्ट मूव' था. हालांकि, उन्होंने पीएम मोदी को लेकर सवाल भी उठाए है कहा कि न तो वे पीड़ित परिवारों से मिले और न ही ऑल पार्टी बैठक में शामिल हुए। उन्होंने इसे मणिपुर जैसी चुप्पी से जोड़ा। पाकिस्तान की स्थिति पर भी चिदंबरम ने चिंता जताई और कहा कि क्या फैसला लेने का अधिकार वहां की निर्वाचित सरकार के पास है या सेना और आईएसआई के पास? उन्होंने लिखा कि भारत ने गेंद अब पाकिस्तान के पाले में डाल दी है।

अब फैसला पाकिस्तान को करना है कि वह युद्ध चाहता है या अस्थिर शांति। चिदंबरम का मानना है कि आने वाले दिन चुनौतीपूर्ण होंगे और सीमा पर तनाव, रुक-रुक कर गोलीबारी और अस्थिरता बनी रह सकती है।

अल्ट्रा प्रोसेस फूड से 18 फ़ीसदी बढ़ जाता है मौत का खतरा

प्रोसेस फूड से 82 फ़ीसदी लोग विभिन्न बीमारियों के शिकार

नई दिल्ली।

भारत में प्रोसेस फूड का सेवन बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। ग्लोबल फूड पॉलिसी रिपोर्ट 2024 के अनुसार 38 फ़ीसदी भारतीय स्वास्थ्यवर्धक भोजन के स्थान पर जंक और प्रोसेस फूड खा रहे हैं। केवल 28 फ़ीसदी लोग ही ऐसा भोजन कर रहे हैं। जो उनके स्वास्थ्य के लिए मुफीद है। 16.6 फ़ीसदी भारतीय आबादी कुपोषण का शिकार हो चुकी है। इस पर कोई चिंता नहीं कर रहा है। भारत में प्रोसेस फुड का चलन बढ़ता ही जा रहा है। जो चिंताजनक है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डॉक्टर केसी मीन्स को अमेरिका का अगला सर्जन जनरल बनाने की घोषणा की है। वह कैनेडी जूनियर की करीबी मानी जाती हैं।डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सर्जन जनरल बनाए जाने की घोषणा के बाद उन्होंने एक वीडियो जारी किया है। जिसमें अमेरिका की हेल्थ एजेंसियों की आलोचना करते हुए, उन्होंने कहा स्वास्थ्य सुधार के लिए यह एजेंसियां कोई काम नहीं कर रही हैं।उन्होंने यह भी कहा स्टैनफोर्ड मेडिकल स्कूल में पढ़ाई के दौरान मुझे वह सब नहीं सिखाया गया, जो अल्ट्रा प्रोसेस फूड खाने से मौत का कारण बनता है। उन्होंने कहा की प्रोसेस फूड खाने से 18 फ़ीसदी मौत का खतरा बढ़ जाता है।उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा, बच्चों के खाने का 67 फ़ीसदी हिस्सा प्रोसेस फूड है। एक स्वतंत्र रिसर्च के अनुसार लगभग

82 फ़ीसदी लोग प्रोसेस फुड के कारण तरह-तरह की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। यह नुकसान कभी भी मेडिकल की पढ़ाई में नहीं पढ़ाया जाता है। निश्चित रूप से उनके अमेरिका का सर्जन जनरल बन जाने के बाद सारी दुनिया में प्रोसेस फूड से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए अमेरिका से दुनिया के देशों में नई सोच पैदा होगी। स्वास्थ्य को लेकर एक नया वातावरण बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

प्रयागराज-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस में बड़ा बदलाव: अब 16 कोच के साथ दौड़ेगी ट्रेन, यात्री क्षमता होगी दोगुनी

प्रयागराज।

पूर्वोत्तर रेलवे ने प्रयागराज से गोरखपुर के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रियों की सुविधा के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब इस ट्रेन में 8 की बजाय 16 कोच होंगे, जिससे यात्री क्षमता दोगुनी हो जाएगी। नई व्यवस्था के तहत ट्रेन में 2 एग्जीक्यूटिव क्लास और 14 चेयर कार कोच होंगे। जैसे ही रेलवे बोर्ड से नई रेक उपलब्ध होगी, यह बदलाव लागू कर दिया जाएगा। ट्रेन वर्तमान में प्रयाग, रायबरेली, लखनऊ, अयोध्या धाम और बस्ती जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकती है। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि त्योहारों, अवकाश और विशेष अवसरों पर यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए यह निर्णय यात्रियों को राहत देगा। रेलवे का कहना है कि अयोध्या में धार्मिक पर्यटन, प्रयागराज की तीर्थनगरी और लखनऊ के व्यापारिक केंद्र के रूप में बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लिया गया है।

ढाबे से भोजन कर निकले जवानों के सम्मान में लगे भारत माता की जय के नारे और की गई पुष्पवर्षा

हापुड़। देशभक्ति और सम्मान से भरा एक भावुक दृश्य उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले से सामने आ रहा है। यहां गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र के एक ढाबे पर भोजन करके बाहर निकल रहे भारतीय सेना के जवानों का वहां मौजूद आम नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया और गगनभेदी नारों के साथ उनका हौसला बढ़ाया। जानकारी अनुसार जैसे ही सेना के जवान भोजन करने के बाद ढाबे से बाहर निकले, वहां मौजूद लोगों ने अचानक 'भारत माता की जय' के नारे लगाने शुरू कर दिए और फूल बरसाकर जवानों का सम्मान किया। इस दौरान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसे देखकर हर देशवासी गर्व से भर रहा है। इससे पहले जवानों ने बताया कि वे सीमा ड्यूटी पर जा रहे हैं। आम नागरिकों के इस आत्मीय स्वागत ने जवानों का मनोबल ऊंचा किया और वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखों में गर्व और सम्मान की चमक देखी गई। वायरल हुए वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि किस तरह आम लोग न केवल सैनिकों के पास जाकर उन्हें धन्यवाद दे रहे हैं, बल्कि उनके त्याग और समर्पण को नमन भी कर रहे हैं। यह दृश्य यह भी दर्शाता है कि देश की जनता अपने रक्षक सैनिकों को किस हद तक प्यार और सम्मान देती है। इस वीडियो फुटेज को सोशल मीडिया पर वायरल होते ही हजारों लोगों ने साझा किया है और हैजटैग जयहिंद हैजटेग इंडियन आर्मी ट्रेंड कर रहा है।

जबलपुर में बनी देसी एल 70 ने कमाल दिखाया, एस 400 के बराबर ड्रोन गिराये

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर की गन कैरिज फैक्ट्री में निर्मित एल 70 ने वही कमाल करके दिखाया है। जो कमाल एस 400 ने किया है। एल 70 ने सीमा पार से आ रहे ड्रोन को मार गिराया। गन कैरिज फैक्ट्री जबलपुर में निर्मित एंट्री एयरक्राफ्ट गन ने 1 मिनट में 300 राउंड फायर करने की क्षमता है। पाकिस्तान से आने वाले ड्रोन हमले को इस गन ने हवा में ही नष्ट कर दिया। सेना में इस गन की बड़ी तारीफ हो रही है। भारत में निर्मित एल 70 एंटी एयरक्राफ्ट गन पूरी तरह ऑटोमेटिक हैयह गन 1 मिनट में 300 राउंड फायर करती है। आसमान में 12 किलोमीटर तक की दूरी के टारगेट को हिट करती है। एक सेकंड में पांच गोले एक साथ दागती है। भारतीय सेना ने भारत की सीमा मैं रहते हुए पाकिस्तान से आने वाले ड्रोन का जिस तरह से मुकाबला किया है। एल 70 एयरक्राफ्ट गन का कमाल देखकर सेना के अधिकारी आश्चर्यचकित हैं। सेना के अधिकारियों का कहना है, जो काम एयर डिफेंस सिस्टम एस 400 करता है। वही काम एल 70 ने करके दिखाया है।

जम्मू कश्मीर के पुंछ में गोलीबारी में जुड़वा भाई-बहन की मौत

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पुंछ में गोलीबारी ने 12 साल के जुड़वा भाई- बहन को हमेशा हमेशा के लिए मौत के मुंह में सुला दिया है। बहन का नाम जैन और लड़के का नाम जोया था। उनके माता-पिता इन्हें पढ़ाई के लिए पुंछ लेकर आए थे। पाकिस्तान की ओर से हुई गोलाबारी में इन बच्चों की दुनिया उजड़ गई। इस हमले में 13 नागरिकों की मौत हुई है। 59 लोग घायल हुए हैं। दोनों बच्चों के पिता रमीज खान भी गंभीर रूप से घायल हैं।उनका जीएमसी राजौरी में इलाज चल रहा है। उनकी हालत भी खतरे में बनी हुई है। दोनों भाई बहनों का एक साथ जन्म हुआ था। दोनों की मौत भी एक साथ हुई। दोनों साथ खेलते थे, साथ में ही स्कूल जाते थे। इतने प्यारे बच्चों की मौत से यहां के लोग दुखी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

103 साल की उम्र में होलोकॉस्ट सर्वाइवर मार्गोट फ्रीडलैंडर का निधन

बर्लिन, एजेंसी। नाजी जर्मनी के समय थिरेज़िएनस्टैड यातना शिविर से बचने वाली जर्मन यहूदी मार्गोट फ्रीडलैंडर का 103 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनकी मौत की जानकारी मार्गोट फ्रीडलैंडर फाउंडेशन ने दी। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि उनकी मौत कब और कहां हुई और उसकी वजह क्या थी। उनका निधन ऐसे समय हुआ है जब द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी की हार की 80वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। बता दें कि मार्गोट ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा अमेरिका में बिताया था, लेकिन अपने 80वें दशक में वे वापस जर्मनी आ गईं और बर्लिन में रहने लगीं। उन्हें जर्मनी के सबसे बड़े नागरिक सम्मान से नवाज़ा गया और बर्लिन सिटी हॉल में उनकी एक प्रतिमा भी लगाई गई।

भारत-यूएई सम्मेलन : 15 मई को व्यापार, प्रौद्योगिकी और सहयोग के नए युग की शुरुआत

दुबई, एजेंसी। भारत और यूएई के बीच पार्टनर्स इन प्रोग्रेस सम्मेलन की शुरुआत 15 मई को होगी। यह आयोजन भारत-यूएई व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है, जिसमें दोनों देशों के नीति निर्धारक और व्यापारिक नेता एकत्र होंगे। आयोजन भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के बावजूद आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन का आयोजन इंडिया टुडे ग्रुप और यूएई इंडिया बिजनेस काउंसिल द्वारा किया जा रहा है। बता दें कि यह सम्मेलन यूएई के क्राउन प्रिंस के भारत दौरे के एक महीने बाद हो रहा है, जिसमें कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए थे। इनमें यूएई-भारत फ्रेंडशिप अस्पताल और दुबई हेल्थ के बीच एमओयू भी शामिल है। सम्मेलन में व्यापार, ऊर्जा, पर्यटन, प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप्स जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा होगी। इंडिया टुडे ग्रुप के अध्यक्ष और संपादक-इन-चीफ अरुण पुरी उद्घाटन भाषण देंगे। यूएई के मंत्री शेख नाहयान बिन मुबारक अल नाहयान और थानी बिन अहमद अल जेयोदी भी इस कार्यक्रम में विशेष संबोधन देंगे।

मार्को रुबियो ने विदेश मंत्री जयशंकर को किया फोन, पाकिस्तान से तनाव कम करने की अपील

वाशिंगटन, एजेंसी। आज सुबह अमेरिका के मार्को रुबियो से बातचीत हुई। भारत का दृष्टिकोण हमेशा संतुलित और जिम्मेदाराना रहा है और आज भी ऐसा ही है। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार (10 मई, 2025) को विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बातचीत की और इस बात पर जोर दिया कि दोनों पक्षों को तनाव कम करने और सीधा संवाद बहाल करने के तरीकों की पहचान करने की जरूरत है। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बात की है और भारत तथा पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने तथा संवाद के लिए सीधे चैनल खोलने की आवश्यकता पर बल दिया है। विदेश विभाग के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि उन्होंने भविष्य में विवादों को टालने के लिए उत्पादक चर्चाओं को सुविधाजनक बनाने में अमेरिकी समर्थन का प्रस्ताव रखा। इससे पहले, रुबियो ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से भी बात की थी, जहां उन्होंने संयम तथा संवाद का आग्रह करते हुए ऐसा ही संदेश दिया था। दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसियों के बीच तनाव पिछले कई वर्षों में सबसे अधिक बढ़ गया है। मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद सीमा पार रणनीतिक स्थानों को निशाना बनाया गया है, जिसमें एयरबेस और नागरिक क्षेत्र शामिल हैं। भले ही कूटनीतिक चैनल सक्रिय हैं, लेकिन जमीन पर सैन्य स्थिति और भी गंभीर हो गई है। लगातार दूसरी रात भारत ने जवाबी कार्रवाई की और पाकिस्तान द्वारा किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों को बेअसर कर दिया। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर से लेकर गुजरात तक 26 स्थानों को निशाना बनाया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हवाई अड्डों और एयरबेसों सहित प्रमुख भारतीय प्रतिष्ठानों पर हमला करने के कई प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया गया।

दक्षिण कोरिया की रूढ़िवादी पार्टी ने बदला राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार, चुनाव से पहले बढ़ी उथल-पुथल

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया की रुढ़िवादी पार्टी पीपल्स पावर पार्टी ने अभूतपूर्व कदम उठाते हुए अपने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को बदल दिया है। किम मून सू की जगह पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री हान डक सू को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया है। किम मून सू को राष्ट्रपति उम्मीदवार घोषित करने के एक हफ्ते बाद ही पार्टी ने उन्हें उम्मीदवारी से हटाने का फैसला किया है। इससे पार्टी के भीतर की उथल-पुथल का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। दक्षिण कोरिया में 3 जून को राष्ट्रपति पद के लिए उपचुनाव होना है। पार्टी द्वारा राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से हटाए जाने के बाद किम मून सू ने इस पर नाराजगी जाहिर की और इसे राजनीतिक तख्तापलट करार दिया। पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल द्वारा दक्षिण कोरिया में बीते दिसंबर में मार्शल लॉ लगाने की कोशिश के बाद से यह देश राजनीतिक संकट से घिरा हुआ है। किम मून सू, यून सुक योल की सरकार में श्रम मंत्री रहे थे और उन्हें कट्टर रूढ़िवादी नेता माना जाता है, पार्टी के प्राइमरी चुनाव में 56 प्रतिशत मत पाकर किम मून राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने थे। हालांकि पीपल्स पावर पार्टी में अभी भी पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल का दबदबा है और योल समर्थक नेताओं ने ही किम की जगह हान डक सू को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने का जोर दिया था।

पाकिस्तान में मुनीर के फैसलों पर कमांडर सवाल उठा रहे: अपने बचाव में पोस्टर लगवा रहे सेनाध्यक्ष

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत से जारी तनाव के बीच पाकिस्तान अब अपने ही घर में सेना, संसद और राजनीतिक मोर्चे पर घिर गया है। पाकिस्तान में सबसे बड़ा संकट उसकी ही फौज के भीतर पल रहा है। सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के नेतृत्व को लेकर कोर कमांडरों में असंतोष इतना गहरा है कि उन्होंने खुले तौर पर फैसलों पर सवाल खड़े किए हैं। कोर कमांडरो में यह भावना गहराती जा रही है कि मुनीर की नीतियों ने न सिर्फ सेना की साख गिराई है, बल्कि पाक को बार-बार संकट में डाला है। वे मौजूदा स्थिति के लिए मुनीर को ही जिम्मेदार मानते हैं।

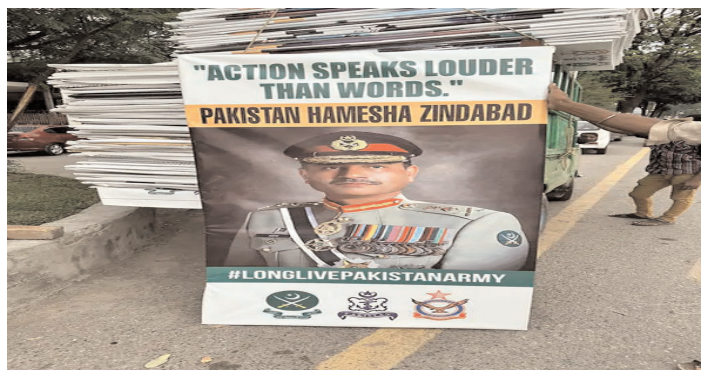

अपने समर्थन में पोस्टर लगवा रहे मुनीर : मुनीर को सार्वजनिक समर्थन दिखाने के लिए इस्लामाबाद में अपने पोस्टर लगवाने पड़े। ऐसे दृश्य पाक में पहले कभी नहीं देखे गए थे। मुनीर पर सेना प्रमुख बनते ही परिवार को फायदा पहुंचाने का भी आरोप है। मुनीर को अपने धार्मिक विचारों पर अडिग रहने और विरोध न सहने वाला माना जाता है। पाक के कुछ वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि मुनीर बहस होने पर कमरे से बाहर चले जाते थे। वे खुद को शक्तिशाली नेता के रूप में स्थापित करना चाहते हैं।

राज्यों में तनातनी, खैबर व बलूचिस्तान ने जंग से बनाई दूरी : पाकिस्तान अंदरूनी टकराव की आग में भी जल रहा है। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान जैसे सीमावर्ती सूबों ने जंग से खुद को अलग कर लिया है। इन इलाकों में आम धारणा है कि यह पाक की नहीं, बल्कि पंजाबी सेना की लड़ाई है। खैबर पख्तूनख्वा : इस प्रांत के लोग मानते हैं कि दशकों से पाकिस्तानी सेना आतंकियों को पालती रही। अब जब उस नीति का खामियाजा पूरा देश भुगत रहा है, तब फौज पलटी मार रही है। आम लोगों का कहना है कि आतंकवादी नीति से अब दूरी बनाना दिखावे के सिवा कुछ नहीं है।

बलूचिस्तान : बलोच राष्ट्रवादियों ने भी कह दिया है कि पाक सरकार और फौज ने कभी बलूचिस्तान को अपना हिस्सा माना ही नहीं। प्राकृतिक संसाधनों में हिस्सेदारी तो दूर, हमें नागरिक तक नहीं समझा गया। फौज की लड़ाई से हमारा कोई लेना-देना नहीं है।

पत्नी के रिश्तेदार को देश का गृहमंत्री बनाया : जनरल असीम मुनीर पर आरोप हैं कि उन्होंने मोहसिन नकवी को अहम पद दिलाए। वह मुनीर की पत्नी इरम असीम के रिश्तेदार हैं। मोहसिन नकवी के पास फिलहाल दो पद हैं। उन्हें पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का अध्यक्ष और देश के गृहमंत्री की जिम्मेदारी है। इन दोनों जिम्मेदारियों के लिए मोहसिन के पास ना तो कोई विशेषज्ञता है, ना ही कोई अनुभव।

मुनीर के मामा का सरकारी नियुक्तियों में दखल : सैयद बाबर अली शाह जनरल मुनीर के मामा हैं। वे 2023 की शुरुआत से ही इस्लामाबाद की सत्ता के अघोषित केंद्र बन चुके हैं। सरकारी नियुक्तियों से लेकर प्रमोशन और पुरस्कारों तक में उनकी भूमिका दिखती है। फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एफआईए) के पूर्व डीजी अहमद इसहाक जहांगीर की नियुक्ति में भी उनका दखल बताया जा रहा है।

चचेरी बहन मैनेजर से सीईओ बना दी गई : मुनीर की चचेरी बहन हाजरा सुहैल साल 2022 में स्कॉलरशिप मैनेजर थीं। पाकिस्तान एजुकेशन एंडोमेंट फंड में काम कर रही थीं। यह संस्था शिक्षा मंत्रालय के अधीन है। जनवरी 2023 में शिक्षा मंत्रालय ने नए सीईओ की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की। प्रधानमंत्री कार्यालय से प्रक्रिया रोकने का आदेश आया। साफ कहा गया कि नाम जनरल हेडक्वार्टर से आएगा। तत्कालीन शिक्षा मंत्री राणा तनवीर हुसैन ने आपत्ति जताई, पर पीछे हटना पड़ा। हाजरा को सीधे ष्टश्वह्र नहीं बनाया जा सकता था। इसलिए अगस्त 2023 में उन्हें अचानक जनरल मैनेजर बनाकर पूरी कमान सौंप दी गई। इसके लिए सीईओ का पद खाली रखा गया।

हालात बिगड़ते देख दुबई पैसा भेजने लगे अफसर : भारत से तनाव के बीच पाकिस्तान में तख्तापलट अथवा मार्शल लॉ लागू होने की आशंका बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार पिछले तीन दिन के दौरान पाकिस्तान के टॉप लीडर और बड़े फौजी अफसर बड़ी राशि विदेशों में खासकर दुबई भेज रहे हैं। इसका खुलासा शुक्रवार को हुआ। जब स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने फॉरेन ट्रांजैक्शन की इन्वेंटरी को चेक किया तो उसमें तीन दिनों के दौरान दुबई के कई अकाउंट्स में पैसे भेजने की बात सामने आई। इससे सकते में आए एसबीपी ने पाकिस्तान के सभी सरकारी और प्राइवेट बैंकों को विदेशों में पैसे भेजने की फ्रीक्वेंसी की स्क्रूटनी के निर्देश दिए हैं। एसबीपी की अब तक की जांच में सामने आया है।

जी7 ने की पहलगाम हमले की निंदा, भारत-पाकिस्तान से संयम बरतने को कहा

न्यूयॉर्क / सिंगापुर , एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ती जा रही है।

जी7 देशों के विदेश मंत्रियों और सिंगापुर ने दोनों देशों से अपील की है कि वे संयम बरतें और बातचीत के जरिए विवाद सुलझाएं। जी7 देशों – कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका – के विदेश मंत्रियों और यूरोपीय संघ ने एक साझा बयान जारी कर भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। इस हमले में 26 लोगों की जान गई थी।

भारत-पाकिस्तान से संयम बरतने की अपील : जी7 ने अपने बयान में कहा, हम भारत और पाकिस्तान से अपील करते हैं कि वे अधिकतम संयम बरतें। किसी भी तरह की और सैन्य कार्रवाई इस क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। हम दोनों देशों से तुरंत तनाव कम करने और शांति के लिए सीधी बातचीत करने का आग्रह करते हैं। सिंगापुर ने भी भारत-पाकिस्तान तनाव पर जताई चिंता इस बीच, सिंगापुर ने भी इस मुद्दे पर अपनी चिंता जाहिर की है। सिंगापुर के विदेश मंत्रालय (एमएफए) ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा, हम भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे सैन्य टकराव को लेकर गंभीर रूप से चिंतित हैं। हम दोनों पक्षों से अपील करते हैं कि वे तनाव कम करें और बातचीत के जरिए समाधान निकालें। साथ ही, दोनों देशों में आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। अपने नागरिकों के लिए सिंगापुर ने जारी की एडवाइजरी वहीं सिंगापुर ने अपने नागरिकों को जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान की यात्रा न करने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि सिंगापुर के नागरिकों को भारत और पाकिस्तान के सीमा क्षेत्रों में खासतौर पर सतर्क रहना चाहिए सिंगापुर ने अपने नागरिकों से भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचने, स्थानीय खबरों पर नजर रखने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है।

भारत से संघर्ष के बीच पाकिस्तान पर कुदरत का कहर, महसूस किए गए भूकंप के झटके

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच पाकिस्तान पर भी कुदरत की मार पड़ी है। जी हां, एक तरफ भारत ने पाकिस्तान पर मिसाइल हमला किया है, वहीं दूसरी तरफ आज सुबह पाकिस्तान की धरती भूकंप के झटकों से हिल गई। हालांकि भूकंप से कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन लोग डरे हुए हैं। भूकंप रात 1:44 बजे आया और लोगों ने तेज झटके महसूस किए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4 मापी गई है। भूकंप का केन्द्र धरती से 10 किलोमीटर नीचे पाया गया। अफगानिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए और रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले 18 दिनों से युद्ध की स्थिति बनी हुई है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान पर हवाई हमला किया, जिसके बदले में पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन मिसाइल हमले किए। पाकिस्तान तीन दिन से भारत पर हमला कर रहा है। पंजाब, गुजरात, जम्मू कश्मीर और राजस्थान इन चार सीमावर्ती राज्यों में ड्रोन और मिसाइलें दागी जा रही हैं। पाकिस्तानी सेना भारतीय सेना और वायुसेना के एयरबेसों और शिविरों को निशाना बनाती है, लेकिन भारतीय सेना ने पाकिस्तान के सभी हमलों को नाकाम कर दिया है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री बोले- अब जंग होना तय: हमारे पास विकल्प नहीं बचा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि भारत पाक की जंग अब तय है। उन्होंने एक टीवी इंटरव्यू में जंग होने के सवाल पर कहा कि इसके अलावा कोई और विकल्प नहीं है। वहीं, सेना के प्रवक्ता अहमद चौधरी ने आज कहा कि भारत सरकार आतंकियों की फंडिंग में शामिल है। वह बॉर्डर पार टेररिज्म को बढ़ावा दे रही है। भारत कई आतंकी कैंप भी चला रहा है। उन्होंने ये भी कहा कि अगर भारत को पाकिस्तान की फायरिंग इतनी पसंद है, तो हम आपकी ये ख्वाहिश अपनी पसंद की जगह, समय और तरीके से पूरी करेंगे। इधर, जंग के हालात के बीच इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को 2.3 अरब डॉलर (20 हजार करोड़ रुपए) के दो पैकेजों को मंजूरी दे दी है। इस लोन में से 1 अरब डॉलर (8500 करोड़ रुपए) एक्सटेंड फंड फैसेलिटी के तहत तत्काल दिए जाएंगे, जबकि 1.3 अरब डॉलर (11 हजार करोड़ रुपए) का लोन अगले 28 महीने तक किस्तों में दिया जाएगा।

आईएमएफ में कोटे के आधार पर होती है वोटिंग : आईएमएफ में 191 देश सदस्य हैं। हर देश के पास एक वोट होता है, लेकिन वोट सिर्फ इससे तय नहीं होता है। आईएमएफ में कोटे के आधार पर वोटिंग अधिकार तय होता है। यानी जिसका जितना ज्यादा कोटा होगा, आईएमएफ के फैसलों में उसकी उतनी ज्यादा सुनी जाएगी। किस देश का कोटा कितना होगा ये उस देश की आर्थिक ताकत (जैसे जीडीपी), विदेशी मुद्रा भंडार, व्यापार और आर्थिक स्थिरता पर निर्भर करता है। जैसे अमेरिका का कोटा सबसे ज्यादा 16.5 प्रतिशत है, इसलिए उसका वोट सबसे ज्यादा मायने रखता है। भारत की वोटिंग पावर 2.75 प्रतिशत के करीब है। जबकि पाकिस्तान की

वोटिंग पावर 0.43प्रतिशत के करीब है। हर देश को 250 बेसिक वोट्स मिलते हैं, जो सभी देशों के लिए समान हैं। कोटा-आधारित वोट्स: कोटा के आधार पर एक्स्ट्रा वोट्स मिलते हैं। इसके लिए आईएमएफ की स्पेशल करेंसी एसडीआर खरीदनी पड़ती है। 1 लाख एसडीआर पर 1 वोट मिलता है। बेसिक वोट्स और कोटा-आधारित वोट्स को मिलाकर ही कुल वोट्स मिलते हैं। क्या है एसडीआर? एसडीआर का पूरा नाम है विशेष आहरण अधिकार। ये आईएमएफ का बनाया एक अंतरराष्ट्रीय रिजर्व एसेट है। इसे आईएमएफ की अंतरराष्ट्रीय नकदी या ग्लोबल करेंसी यूनिट कहा जा सकता है। इसे वित्तीय लेन-देन के लिए इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि ये असली करेंसी नहीं है। बिना अमेरिकी वोट के कोई फैसला नहीं लिया जाता अमेरिका के पास सबसे ज्यादा 16.5 प्रतिशत वोटिंग राइट्स हैं। कोई फैसला लेने के लिए 85प्रतिशत तक वोट की जरूरत होती है। ऐसे में अगर अमेरिका वोट न करे तो बहुमत न मिलने की स्थिति में कोई फैसला पारित नहीं किया जा सकता है। आईएमएफ में भारत ने आज वोटिंग नहीं की भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 8 मई को कहा था कि वे पिछले तीन दशकों में आईएमएफ ने पाकिस्तान को कई बड़ी सहायता दी है। उससे चलाए गए कोई भी कार्यक्रम सफल नतीजे तक नहीं पहुंच पाए हैं। आज वोटिंग से पहले भारत ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई। भारत ने कहा कि अगर ऐसे देश को बार-बार मदद दी जाती है जो सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देता है, तो इससे दुनिया को गलत संदेश जाता है। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान को आईएमएफ का फंड मिलने के मामले पर विरोध में वोटिंग नहीं की। बाकी देशों के वोट की मदद से पाकिस्तान को ये फंड अपूर्व हो गया।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच अमेरिका का फैसला, अमेरिकी उच्चायुक्त ने स्टाफ की आवाजाही रोकी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते पाकिस्तान में अमेरिकी मिशन ने अपने सभी कर्मचारियों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। पाकिस्तान की सेना ने भी देश के सभी नागरिकों को घरों में रहने की सलाह दी है जब तक कि नया आदेश न आए। अमेरिकी दूतावास और कांसुलेट्स ने शुक्रवार को एक सुरक्षा चेतावनी जारी कर कहा कि पाकिस्तान आर्मी ने 10 मई को देश के सभी नागरिकों से कहा है कि वे अगले आदेश तक घरों से बाहर न निकलें। इसी के चलते अमेरिका ने पाकिस्तान में अपने स्टाफ की आवाजाही पूरी तरह रोक दी है और दोपहर बाद हालात की समीक्षा करेगा।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय का निर्देश अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अपने नागरिकों को पहले से जारी यात्रा न करने की चेतावनी दोहराई है, खासकर भारत-पाक सीमा और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के नजदीक के इलाकों में, जहां आतंकवाद और संघर्ष का खतरा ज्यादा है। इसके अलावा मंत्रालय ने पूरे पाकिस्तान के लिए भी यात्रा पर पुनर्विचार करने की सलाह दी है। दूतावास ने कहा, अगर अमेरिकी नागरिक खुद को किसी संघर्ष वाले इलाके में पाते हैं, तो वे सुरक्षित तरीके से वहां से निकलने की कोशिश करें। अगर निकलना संभव न हो, तो वहीं सुरक्षित स्थान पर रहें। चेतावनी में यह भी कहा गया कि पाकिस्तान से आने-जाने वाली फ्लाइट्स की स्थिति अभी अस्थिर है, इसलिए अमेरिकी नागरिकों को अपने एयरलाइन से उड़ानों की स्थिति की जांच करते रहनी चाहिए। दोनों देशों में तनाव क्यों बढ़ा? भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव उस समय और बढ़ गया जब भारतीय सेना ने बुधवार को पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किए। यह हमले 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में किए गए थे, जिसमें सीमा पार से जुड़े सुराग मिले थे। जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान ने गुरुवार और शुक्रवार की रात भारत के अलग-अलग हिस्सों में, जम्मू-कश्मीर से लेकर गुजरात तक, 26 जगहों पर ड्रोन्स के जरिए हमले किए। हालांकि भारत के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान की इन कोशिशों को नाकाम कर दिया गया और देश के हवाई अड्डों व सैन्य ठिकानों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन के बाद कोलंबिया विवि की कार्रवाई, 65 से अधिक छात्रों को किया निलंबित

न्यूयॉर्क, एजेंसी। कोलंबिया विश्वविद्यालय ने 65 से ज्यादा छात्रों को निलंबित कर दिया है और पूर्व छात्रों व अन्य लोगों को प्रतिबंधित कर दिया है, जिन्होंने इस हफ्ते की शुरुआत में स्कूल की मुख्य लाइब्रेरी के अंदर फलस्तीन समर्थन प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। ये जानकारी स्कूल के प्रवक्ता ने शुक्रवार को दी। मैनहट्टन में आइवी लीग संस्थान ने 65 से अधिक छात्रों को अंतरिम निलंबन पर रखा है और 33 अन्य छात्रों को परिसर में कदम रखने से रोक दिया है, जिनमें बर्नार्ड कॉलेज जैसे संबद्ध संस्थानों के छात्र भी शामिल हैं। कोलंबिया की वेबसाइट के अनुसार, अंतरिम निलंबन का आम तौर पर मतलब होता है कि कोई छात्र परिसर में नहीं आ सकता, कक्षाओं में भाग नहीं ले सकता या अन्य विश्वविद्यालय गतिविधियों में भाग नहीं ले सकता। विश्वविद्यालय ने यह बताने से इनकार कर दिया कि अनुशासनात्मक उपाय कब तक लागू रहेंगे, केवल इतना कहा कि निर्णय आगे की जांच के लंबित हैं। कोलंबिया के अनुसार, विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाले अज्ञात संख्या में पूर्व छात्रों को भी अब स्कूल परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया गया है। विश्वविद्यालय की बटलर लाइब्रेरी में बुधवार शाम के प्रदर्शन के सिलसिले में लगभग 80 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा है कि अधिकांश पर अतिक्रमण के आरोप हैं, हालांकि कुछ पर अव्यवस्थित आचरण का भी आरोप हो सकता है। जानकारी के मुताबिक, नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने कैंपस सुरक्षा अधिकारियों को धक्का देकर इमारत में घुस गए और किताबों की अलमारियों पर फलस्तीनी झंडे और अन्य बैनर लगा दिए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने लाइब्रेरी के फर्नीचर और पिक्चर फ्रेम पर वाक्यांश भी लिखे, जिनमें कोलंबिया जल जाएगा भी शामिल था। हेलमेट और अन्य सुरक्षा में न्यूयॉर्क शहर की पुलिस ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों के अनुरोध पर प्रदर्शन को समाप्त कर दिया, जिन्होंने विरोध प्रदर्शनों की निंदा करते हुए इसे अंतिम परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए अपमानजनक व्यवधान बताया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि उनका कार्यालय संभावित निर्वासन के लिए लाइब्रेरी अधिग्रहण में भाग लेने वालों की वीजा स्थिति की समीक्षा करेगा। ट्रंप प्रशासन ने पहले ही संघीय वित्त पोषण वापस ले लिया है।

शेख हसीना की पार्टी पर प्रतिबंध की योजना में अंतरिम सरकार, एनसीपी ने की आवामी लीग को भंग करने की मांग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है। अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के कार्यालय ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि इस बारे में शीघ्र निर्णय लिया जाएगा। सरकार का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब नवगठित नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के कार्यकर्ताओं ने यूनुस के घर के बाहर प्रदर्शन कर आवामी लीग को भंग करने की मांग की। एनसीपी की शुरुआत छात्रों ने की थी। छात्रों ने पिछले साल एनसीपी नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद पांच अगस्त को हसीना को अपदस्थ कर दिया गया था। हसीना के अपदस्थ होने के बाद 8 अगस्त को मोहम्मद यूनुस ने कार्यभार संभाला था। जिन छात्रों ने पिछले साल विरोध प्रदर्शन किया, इस साल की शुरुआत में वह एनसीपी को बनाने के लिए आगे आए।

सरकार ने विभिन्न राजनीतिक दलों से साधा संपर्क : अंतरिम सरकार के बयान के अनुसार, सरकार हाल ही में विभिन्न राजनीतिक दलों, संगठनों और लोगों की ओर से अवामी लीग को निरंकुश शासन और आतंकवादी गतिविधियों के आरोपों पर भंग करने की मांग पर गंभीरता से विचार करती है। सरकार ने विभिन्न राजनीतिक दलों से संपर्क स्थापित किया है। उनके साथ परामर्श करके जल्द ही आवामी लीग को भंग करने पर निर्णय लिया जाएगा।

आतंकवादी छात्र लीग को सरकार ने भंग किया : बृहस्पतिवार रात एनसीपी के कार्यकर्ताओं ने यूनुस के आधिकारिक आवास जमुना के पास एक अस्थायी मंच बनाया और शुक्रवार को वहीं पर नमाज भी पढ़ी। एनसीपी के

इस प्रदर्शन में जमात-ए-इस्लाम, इसके छात्र संगठन इस्लामी छात्र शिबिर और हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे संगठनों के नेता भी शामिल हुए। इस दौरान सरकार ने अपील की कि जब तक फैसला नहीं होता, तब तक सभी लोग शांति बनाए रखें। साथ ही कहा कि सरकार ने आतंकवादी छात्र लीग को भंग कर दिया है, जो अवामी लीग से जुड़ा संगठन माना जाता है। एनसीपी नेता सरजिस आलम ने रैली के दौरान कहा कि हमारा आंदोलन शुरू हो गया है। यह एक दिन या एक महीने तक भी चल सकता है। उन्होंने कहा कि हम तब तक सड़कों पर रहेंगे, जब तक आवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा नहीं हो जाती। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने आवामी लीग के खिलाफ नारेबाजी भी की। बाद में, प्रदर्शनकारियों ने शाहबाग चौक पर सड़क जाम कर दी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह आंदोलन देश के विभिन्न हिस्सों में फैल गया है।

इस बीच, एनसीपी के संयोजक नाहिद इस्लाम ने अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट कर कहा कि आवामी लीग के भंग होने के बारे में तत्काल कोई निर्णय आने तक कार्यकर्ता ढाका की ओर मार्च करेंगे। उन्होंने कहा कि एनसीपी कार्यकर्ताओं ने पहले ही राजधानी के विभिन्न हिस्सों में नाकेबंदी कर दी है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

"नासिक के परिवार को अहमदाबाद में कड़वा अनुभव"

महिला और उनकी 14 साल की बेटी के साथ अश्लील व्यवहार कर बंदूक दिखाना

पुलिस की संलिप्तता की भी आशंका।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नासिक से एक महिला अपने भाई और बेटी के साथ सालंगपुर स्थित कष्टभंजन मंदिर के दर्शन के लिए जा रही थीं। इस दौरान रास्ते में जब वे अहमदाबाद पहुंचे, तो कर्णावती चार रास्ता के पास एक अजनबी व्यक्ति आकर उनसे पैसे मांगने लगा। इसी बीच पुलिस की गाड़ी भी वहां आ गई, जो महिला को आनंदनगर पुलिस चौकी ले गई।

बंदूक दिखाकर महिला से 30 हजार रुपए ऐंठे यहां महिला का पर्स एक पुलिसकर्मी ने ले लिया था और महिला को बाथरूम तक जाने नहीं दिया गया। जब वे बाहर निकले, तब दर्शन मेहता नाम के व्यक्ति ने महिला और उनकी बेटी के साथ छेड़छाड़ की और बंदूक दिखाकर 30 हजार रुपए वसूल लिए। इस पूरे मामले में महिला ने नासिक में शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसे ज़ीरो नंबर से आनंदनगर पुलिस स्टेशन में ट्रांसफर किया गया है। आनंदनगर पुलिस इस मामले की जांच करेगी।

अहमदाबाद में चाय पीने के लिए रुके, तभी 10-15 लोगों ने उन्हें घेर लिया नासिक निवासी 40 वर्षीय महिला ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह अपनी 14 वर्षीय बेटी और भाई भूषण के साथ कष्टभंजन सालंगपुर दर्शन के लिए आई थीं। इसके लिए उन्होंने दर्शन से पहले दर्शित शाह नामक व्यक्ति से फोन पर बातचीत की थी। वे दर्शित के साथ सालंगपुर से नासिक लौट रहे थे। रास्ते में जब वे आनंदनगर पहुंचे, तब वे चाय पीने के लिए रुके। उसी दौरान 10 से 15 लोगों ने उन्हें घेर लिया और कुछ लोग दर्शित से पैसे मांगने लगे। उनमें से एक व्यक्ति ने खुद को दर्शन मेहता बताया। दर्शन मेहता महिला से भी पैसे मांगने लगा। महिला से पूछताछ कर उसका पर्स ले लिया गया था

कुछ ही देर में दर्शन मेहता ने पुलिस को फोन कर बुला लिया, जिसके बाद एक पुलिस की गाड़ी वहां आई। उसमें से एक महिला और एक पुरुष पुलिस वर्दी में बाहर आए। उन्होंने महिला और उसकी बेटी को पुलिस की गाड़ी में बैठाया और आनंदनगर पुलिस चौकी ले गए। दर्शन मेहता और अन्य लोग भी उसी गाड़ी के पीछे पुलिस चौकी पहुंचे।

पुलिस चौकी के पार्किंग में महिला से पूछताछ की गई और इसके बाद महिला पुलिसकर्मियों ने उसका पर्स और मोबाइल ले लिया। महिला पुलिसकर्मी ने महिला को बाथरूम जाने की भी इजाजत नहीं दी। महिला को आनंदनगर पुलिस चौकी के अंदर नहीं ले जाया गया, और जब महिला ने अनुरोध किया, तब उन्हें चौकी के बाहर खड़ी पुलिस गाड़ी में ही रखा गया।

अंजान जगह पर गाड़ी रोककर मां-बेटी के साथ अश्लील व्यवहार किया

इसके बाद महिला को उनकी गाड़ी में बैठाया गया और कर्णावती चार रास्ता के पास ले जाया गया। इस गाड़ी में दर्शन मेहता और उसके साथी भी मौजूद थे। दर्शन मेहता ने खुद को एक्स-पुलिस अधिकारी बताया। अंजान जगह पर गाड़ी रोकने के बाद दर्शन मेहता और उसके साथी ने महिला और उसकी 14 साल की बेटी के साथ अश्लील व्यवहार किया। महिला और उनकी बेटी रोने लगीं। इस दौरान दर्शन मेहता ने 14 साल की बच्ची से कहा कि "तू यहीं रुक जा, अपनी मां को जाने दे।" इसके बाद उन्हें एक अज्ञात बंगले में ले जाया गया, जहां दर्शन मेहता ने महिला के पर्स से 30,000 रुपये निकाल लिए और एक वकील के सामने जबरदस्ती लिखवाकर महिला और उसके भाई से दस्तखत करवा लिए। दर्शन मेहता ने बंदूक भी दिखाई और एक्सिस बैंक के खाली चेक पर भी जबरदस्ती साइन करवा लिए।

शिकायत को ज़ीरो नंबर से अहमदाबाद पुलिस को ट्रांसफर किया गया

इसके बाद महिला को डराकर और धमकाकर छोड़ दिया गया था, लेकिन जब महिला नासिक पहुंची, तो दर्शन मेहता उसे फोन करके परेशान करने लगा। इसलिए महिला ने नासिक में शिकायत दर्ज करवाई। इस शिकायत को ज़ीरो नंबर से अहमदाबाद पुलिस को ट्रांसफर किया गया था। अहमदाबाद के आनंदनगर पुलिस स्टेशन में इस मामले की शिकायत दर्ज की गई है।

आनंदनगर पुलिस स्टेशन के पी.आई. डी.के. भारई ने बताया कि महिला ने अभी तक सामने आकर शिकायत दर्ज नहीं करवाई है, इसलिए जब वह यहां आएगी और पूरी जानकारी देगी, तभी मामले की जांच की जाएगी।

दिल्हीगेट के पास की घटना

भरूच की महिला से 2 बाइक सवारों ने 3.34 लाख रुपये मूल्य का पर्स छीनकर फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

महिधरपुरा गोल्डन पॉइंट दिल्ली गेट ब्रिज के पास चलती रिक्शा में महिला के हाथ से पर्स छीनकर दो स्नैचर बाइक पर फरार हो गए थे। इस घटना के कारण महिला रिक्शा से नीचे गिर गई थी। पर्स में सोने के आभूषण, मंगलसूत्र, 3 मोबाइल, घड़ी, नकद सहित 3.34 लाख रुपये मूल्य का सामान था। भरूच के विनयपार्क सोसाइटी में रहने वाली 41 वर्षीय रुपालीबेन चौधरी ने महिधरपुरा पुलिस में शिकायत दी है। इसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों के आधार पर जांच शुरू की है। 9 तारीख की रात को महिधरपुरा गोल्डन पॉइंट से दिल्ली गेट ब्रिज चढ़ते वक्त यह घटना घटी थी। महिला अपनी बेटी, भाभी के साथ रिक्शा में पीछे बैठी थी और पति तथा भाई आगे बैठे थे। वे उधना स्टेशन से सुरत सेंट्रल बस स्टैंड जा रहे थे। महिला और उसका परिवार विवाह के एक समारोह में भुसावड़ गए थे। वहां से 8 तारीख की रात में लौटकर उधना स्टेशन पहुंचे थे। महिला के हाथ से पर्स छीनने के कारण वे नीचे गिर गए थे, जिससे उन्हें नाक और हाथ में चोटें आई थीं।

साइबर ठगों ने नवसारी के माता-पुत्र को शिकार बना लिया।

ठगों ने पुलिस कर्मचारी का रूप धारण करते हुए वीडियो कॉल से धमकी दी 22 लाख रुपये ठग लिए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी के विजलपुर में एक चौंकाने वाली साइबर ठगी का मामला सामने आया है। ड्राइविंग का व्यवसाय करने वाले भरतभाई पांडुभाई टंडेल से साइबर ठगों ने 22 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी की है।

29 अप्रैल से 2 मई के बीच साइबर ठगों ने मुंबई के कोलाबा पुलिस स्टेशन के कर्मचारी होने का ढोंग किया। उन्होंने वीडियो कॉल के माध्यम से भरतभाई को बताया कि उनका नाम मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवादी गतिविधियों और हत्या के मामलों में शामिल है। ठगों ने धमकी दी कि यदि मामले में कोई कार्रवाई नहीं करना चाहते, तो उन्हें उनकी बातों के अनुसार करना होगा।

ठगों ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के बहाने भरतभाई के बैंक खाता विवरण मांगे। उन्होंने उनकी मां के खाते से भी पैसे ट्रांसफर करवाए। फर्जी गिरफ्तारी वारंट और गलत सिग्नेचर वाले पत्र दिखाकर भरतभाई को डराया गया। वेरिफिकेशन के नाम पर उनके विभिन्न बैंक खातों से कुल 22 लाख 15 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए। जब ठगों ने और पैसे की मांग की, तब भरतभाई को ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद उन्होंने विजलपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जुआ खेलते हुए हुआ झगड़ा मौत तक पहुंचा।

सूरत में पैसे को लेकर 18 वर्षीय युवक को बाथरूम में पीटा गया,बेहोश होकर गिर पड़ा

अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के इच्छापोर क्षेत्र में एक अजीब मामला सामने आया है। एक मकान में जुआ खेल रहे चार-पांच दोस्तों के बीच जुए के पैसे को लेकर झगड़ा हुआ, जिसके बाद एक 18 वर्षीय युवक को दूसरे दोस्त द्वारा बाथरूम में पीटा गया, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ा। बाद में इस युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। फिलहाल, युवक का नाम पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया है। हालांकि, परिवार द्वारा हत्या के आरोप लगाए गए हैं। इस मामले में इच्छापोर पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है। मौत का असली कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सूरत के इच्छापोर क्षेत्र स्थित राखल नगर कॉलोनी में 18 वर्षीय संतोष संजयभाई राठोड अपने परिवार के साथ रहता था। परिवार में तीन भाई थे। संतोष खेतों में मजदूरी करके अपने परिवार की आर्थिक सहायता करता था। पिछले दिन शाम करीब 5 बजे संतोष अपने दोस्त सनी विजय गौतम और अन्य दोस्तों के साथ वसंतकाका के घर के आंगन में गंजिपा खेल रहा था। इस दौरान पैसों को लेकर संतोष और सनी के बीच बहस हो गई थी।

जुआ के पैसे को लेकर हुए झगड़े के बाद सनी ने संतोष को दोनों हाथों से छाती के हिस्से में पकड़ लिया। इस दौरान संतोष को चक्कर आ गए और वह नीचे गिर पड़ा। उसके बाद उसके दोस्तों साहिल, किरण और सुजल ने उसे उठाकर साहिल के घर ले गए। साहिल की मां ने 108 एम्बुलेंस को फोन किया, और थोड़ी देर बाद एम्बुलेंस आई, जिससे उसे सिविल अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने संतोष को जांच कर मृत घोषित कर दिया। अब शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

मृतक संतोष की बहन दीपिका ने कहा कि, "मेरा भाई जुआ खेलने गया था, तब लड़ाई-झगड़ा हुआ और उसे छाती के हिस्से से पकड़ लिया गया। जब तक वह बेहोश नहीं हो गया, उसे पकड़े रखा गया और फिर उसे फेंक दिया गया। हमें तो यही जानकारी मिली है कि उसका मर्डर किया गया है। जब मैं पहुंची, तो सनी ने कहा था कि, 'सारी जिम्मेदारी मेरी होगी और मैं अस्पताल भी आपके साथ आऊँगा,' लेकिन 108 एम्बुलेंस बुलाने के बाद वह भाग गया था, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया है।"

हाल ही में मृतक संतोष के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में संतोष की मौत का असली कारण सामने आएगा। हालांकि, 18 साल के युवक की असमय मौत के बाद परिवार में शोक का माहौल है। परिवारवाले इस घटना के जिम्मेदार के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं।

कुख्यात सज्जू कोठारी के भाई यूनुस के घर से 23 और कार्ट्रिज और मैगजिन मिले

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नानपुरा के कुख्यात सज्जू कोठारी और उसके भाई ने अपने सगे भतीजे से 30 लाख रुपये की उधारी के लिए रिवॉल्वर से जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले में अठवालाइन्स पुलिस ने शुक्रवार को सज्जू कोठारी और उसके भाई की गिरफ्तारी की। शनिवार को पुलिस ने उन्हें नानपुरा जमरुखगली में स्थित उनके घर लेकर गई, जहाँ जांच करते हुए 23 जीवित कार्ट्रिज और एक मैगजीन बरामद हुई। अब तक दोनों आरोपियों से 35 कार्ट्रिज, एक मैगजीन और दो देसी पिस्टल बरामद हो चुके हैं। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के तीन दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त किया है और उनकी जाँच शुरू कर दी है।

आकीब आरिफ कोठारी ने सज्जू कोठारी की पत्नी से 50 लाख रुपये की रकम उधारी ली थी, जबकि सज्जू कोठारी जेल में था। सज्जू जेल से बाहर आते ही आकीब से पैसे की उगाही करना शुरू कर दिया था। आकीब ने पहले 20 लाख रुपये दिए थे और बाकी के 30 लाख रुपये के लिए सज्जू ने उससे थार गाड़ी की भी उधारी ले ली थी। शुक्रवार को जब सज्जू कोठारी कोर्ट में पेशी के लिए सुरत आया था, तब वह अपने भाई यूनुस के साथ आकीब के घर गया और उसे पैसे की उगाही की धमकी दी। दोनों भाईयों ने आकीब को देसी तमंचा दिखा कर जान से मारने की धमकी दी थी।

सज्जू और यूनुस कोठारी को 13 मई तक के रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस ने अदालत में यह दावा किया कि दोनों पिस्टल और 35 कार्ट्रिज बिना लाइसेंस के रखे गए थे। साथ ही पुलिस को यह भी जांचना है कि सज्जू कोठारी के पास जो मर्सिडीज़ गाड़ी है, वह प्रवीण सिंह बारड की है या नहीं।

परिपत्र के उल्लंघन में

'ला सेरेमनी रेस्टोरेंट' के लिए ड्रोन उड़ाने पर पुलिस दौड़ी

फोटोग्राफर और रेस्टोरेंट मालिक की गिरफ्तारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में 'ला सेरेमनी रेस्टोरेंट' के लिए पब्लिसिटी का तरीका पुलिस के लिए परेशानी का कारण बन गया। रेस्टोरेंट द्वारा अपने प्रचार के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया गया, जो सार्वजनिक स्थान पर एक अवैध प्रचार गतिविधि मानी गई। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और ड्रोन ऑपरेटर (फोटोग्राफर) और रेस्टोरेंट के मालिक को गिरफ्तार कर लिया। ड्रोन के जरिए रेस्टोरेंट के प्रचार के लिए विज्ञापन उड़ाए जा रहे थे, जो न केवल नियमों का उल्लंघन था, बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरे का कारण बन सकता था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की और गिरफ्तार किया,साथ ही रेस्टोरेंट द्वारा नियमों का पालन न करने के लिए जांच शुरू कर दी।

राज्य सरकार ने ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा रखा था, इसके बावजूद सिंगणपोर में च्ला सेरेमनी रेस्टोरेंटज् की छत पर ड्रोन उड़ाए गए, जिससे पुलिस को दौड़ने पर मजबूर होना पड़ा। रेस्टोरेंट की पब्लिसिटी के लिए ड्रोन उड़ाने वाले फोटोग्राफर और रेस्टोरेंट मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया।

ला सेरेमनी होटल के ढाबे पर ड्रोन उड़ाने की जानकारी मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए सरकार विशेष सतर्कता बरत रही है। देशविरोधी संगठनों, आतंकवादियों या असामाजिक तत्वों द्वारा देशविरोधी कृत्य होने की आशंका के कारण गुजरात सरकार ने पटाखे फोड़ने और ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। सुरत जिला कलेक्टर ने भी इस संबंध में आदेश जारी किया था।

पुलिस कंट्रोल को संदेश मिला कि सिंगणपोर में कोज़ वे रोड पर स्थित शुभम मार्केट में ला सेरेमनी होटल के ढाबे पर ड्रोन उड़ रहा है। इस सूचना के आधार पर सिंगणपोर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और वहां गौरव नरेंद्र राठौड़ (रह. विरामनगर सोसाइटी, अखंड आनंद कॉलेज के पास, वेडरोड) को ड्रोन उड़ाते हुए पकड़ा। पुलिस के अनुसार, ला सेरेमनी रेस्टोरेंट का मालिक अकबरअली रेस्टोरेंट की पब्लिसिटी के लिए ड्रोन द्वारा वीडियो शूटिंग करवा रहा था। इसके चलते सिंगणपोर पुलिस ने सार्वजनिक आदेश के उल्लंघन के तहत मामला दर्ज किया और ड्रोन उड़ाने वाले फोटोग्राफर गौरव नरेंद्र राठोड (उम्र 28, निवासी विरामनगर, वेडरोड) और ला सेरेमनी रेस्टोरेंट के मालिक अकबरअली अब्बास अली बट्टी (उम्र 29, निवासी पंजरनी सोसाइटी, छापरीनगर, उनपाटिया) को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने डी.जे.आई. कंपनी का ड्रोन, रिमोट कंट्रोल, बैटरी सहित कुल 60 हजार रुपये का माल जब्त किया है।

अवसरिक बारिश से आम की फसल को 40 प्रतिशत नुकसान हुआ है।

कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना, पेड़ पर लगे फल भी सड़ने का डर

सर्वे करके मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं किसान।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात के सूरत, नवसारी और वलसाड सहित कई जिलों में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही अनावश्यक बारिश और तेज हवाओं के कारण किसानों के सामने बड़ा आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। खासकर आम की फसल पर इस अप्रत्याशित बारिश ने गंभीर प्रभाव डाला है। किसान बता रहे हैं कि, वर्तमान में आम के फल पूरी तरह से पकने की अवस्था में थे, लेकिन अचानक आई तेज हवाओं और बारिश के कारण बड़ी संख्या में फल पेड़ से गिर गए हैं।

सूरत जिले के किसानों ने इस साल अच्छी फसल की उम्मीद की थी, लेकिन अचानक बदलते मौसम ने उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया है। अब बाजार में आम कम मिलेगा और कीमतें बढ़ सकती हैं। किसानों के अनुसार, आम की फसल को लगभग 30 से 40 प्रतिशत नुकसान हुआ है। जो फल पेड़ से गिर गए हैं, वे नष्ट हो गए हैं, जबकि पेड़ पर लगे फलों में भी सड़ने का डर बढ़ गया है। कई इलाकों में आम के खेतों में पानी भरने से भी फलों की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ा है।

किसान नेता और कांग्रेस नेता दर्शन देसाई ने कहा, च्अचानक बदलते मौसम के कारण दक्षिण गुजरात में चीकू, आम और खड़ी फसलों को गंभीर नुकसान हुआ है। यह वह समय था जब आम पूरी तरह से तैयार थे, लेकिन फसल काटने से पहले ही पवन और बारिश के कारण बड़ी संख्या में आम के फल गिर गए।ज् किसानों ने अब राज्य सरकार से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का सर्वेक्षण करवाकर उचित मुआवजा दिया जाए। साथ ही कृषि विभाग से भी सलाह ली जा रही है कि वर्तमान में खेतों में खड़ी फसलों को कैसे बचाया जाए।

हालांकि राहत की बात यह है कि बारिश ने धान की फसल पर कोई खास नकारात्मक असर नहीं डाला है और खेतों में पानी भरने की स्थिति नहीं बनी है। मौसम विभाग ने बताया है कि अगले दो दिनों में बारिश की तीव्रता कम होने की संभावना है। यह उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों में मौसम की अनिश्चितता ने किसानों की फसलों पर लगातार प्रभाव डाला है, जिसके कारण किसानों की आर्थिक स्थिति पर भी भारी दबाव बढ़ा है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसी स्थिति में अब खेती को मौसम परिवर्तन के अनुकूल बनाने के लिए लंबी अवधि की योजना की आवश्यकता है।

मदर्स डे के उपलक्ष में चार दिवसीय क्राफ्ट वर्कशॉप का किया आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा मदर्स डे के उपलक्ष में चार दिवसीय "क्राफ्ट योर ड्रीम्स" क्राफ्ट वर्कशॉप का आयोजन सिटी लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के वृंदावन हॉल में मंगलवार से किया गया। महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि इस चार दिवसीय वर्कशाप में प्रतिभागियों को तीन प्रकार की क्राफ्टिंग करना सिखाया गया। पहले दिन मैंटोर रिया अग्रवाल द्वारा कैंडल बुके के लिए विभिन्न प्रकार की कैंडल्स, दूसरे दिन मैंटोर महक अग्रवाल द्वारा डैको बास्केट एवं तीसरे और चौथे दिन मैंटोर खुशी सिद्धपुरा द्वारा विभिन्न प्रकार के क्रोशिया फ्लावर बनाना सिखाया गया। इस वर्कशॉप में महिलाओं ने बहुत ही उत्सुकता से भाग लिया एवं आखिरी दिन शनिवार को सभी ने मिलकर मदर्स डे सेलिब्रेट किया। इस कार्यक्रम में महिला शाखा की सरोज अग्रवाल, रुचिका रुंगटा, सीमा कोकड़ा, प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी, अरुणा अग्रवाल, सीमा भगेरिया सहित महिला शाखा की अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।